तापमान
अधिकतम 15 .0 डिग्री
न्यूनतम 6.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार 4 जनवरी 2026

11 नर सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें : विद्यार्थी

11 बेटियों को समाज के लिए बोझ न समझें: डा. संदीप

खबर संक्षेप

मारपीट करने पर पांच के खिलाफ केस दर्ज

जींद। गांव डूमरखां खुर्द में रंजिशन मारपीट करने तथा धमकी देने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव डूमरखां खुर्द निवासी विकास ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी गांव के ही साहिल व उसके दोस्तों से कहासुनी हो गई। जिस पर आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की। आसपास के लोगों ने उसे आरोपितों की चंगुल से छुड़वाया।

सड़क हादसों में महिला समेत दो घायल

जींद। अलग-अलग स्थानों पर हुए सड़क हादसों में महिला समेत दो व्यक्ति घायल हो गए। संबंधित थाना पुलिस ने शिकायतों के आधार पर फरार वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव चोचड़ा निवासी पनमेश्वरी देवी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह गांव भागखेड़ा में सड़क को पार कर रही थी। उसी दौरान तेजरफ्तार कार ने उसे टक्कर मार दी। जिसमें वह घायल हो गई। घटना का अंजाम देकर चालक फरार हो गया।

पिकअप गाड़ी चोरी के मामले में आरोपी काबू

कैथल। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ द्वारा एक पिकअप गाड़ी चोरी मामले में एक आरोपी को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि सीवन गेट कैथल निवासी राजेश वर्मा की शिकायत अनुसार 25 दिसंबर को शाम के समय काम से वापिस आने के बाद उसने उसकी पिकअप गाड़ी घर के पास खड़ी करदी। सुबह 5 बजे देखा तो वहां गाड़ी नहीं मिली जिसे अज्ञात व्यक्ति द्वारा चोरी कर लिया गया। जिस बारे थाना शहर में मामला दर्ज किया गया।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, शिकायत दर्ज

जींद। अमरहेड़ी रोड से युवती के संदिग्ध हालात में गायब होने पर शहर थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। अमरहेड़ी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत दिवस उसकी बेटी घर से गायब हो गई। तलाशने तथा पूछताछ करने पर उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा। शहर थाना पुलिस ने व्यक्ति की शिकायत पर अज्ञात लोगो के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिल्लू बड़सीकरी की 'गंगा' ने 28.73 किलोग्राम दूध देकर पाया प्रथम स्थान

दूध उत्पादन मेले में चौदह मुर्रह नस्ल की भैंसों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत के गांव बढ़सीकरी खुर्द में ग्रामीण पशु पालक कमेटी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय प्रदेश स्तरीय मुर्रह नस्ल भैंस के दूध उत्पादन मुकाबला मेले में हरियाणा के साथ-साथ पंजाब राज्य सहित कुल 14 मुर्रह नस्ल की भैंसों ने प्रतियोगिता में भाग लिया। आयोजक कमेटी में शामिल अमित रामदिया, सुमित, सुल्तान और जीता द्वारा प्रतियोगिता के लिए पारदर्शी एवं कड़े नियम तय गए गए थे। इसके तहत पशुओं को मेला मैदान में लगातार दिन तक अपने दुध उत्पादन का टेस्ट देना पड़ा। तीसरे दिन परिणाम घोषित हुए। पशु दूध प्रतियोगिता में गंगा नाम की भैंस ने 28 किलों 73 ग्राम दूध देकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। भैंस के मालिक बिल्लू बड़सीकरी ने बताया कि उसकी भैंस गंगा की तरह दूध की धारा बहाती है। इसलिए उसने भैंस का नाम गंगा रखा। यह भैंस अलग-अलग स्तर की प्रतियोगिताओं में 14 वीं बार प्रथम आई। इससे पहले गंगा 13 बार अव्वल प्रदर्शन करते हुए अपने मालिक की झोली नकद इनाम एवं मेडलों से भर चुकी है। प्रतियोगिता में 26 किलों 860 ग्राम दूध देकर द्वितीय स्थान जमना नामक भैंस ने जीता। भैंस के मालिक गुरमीत अलीपुरा ने बताया कि वे शत प्रतिशत नेत्रहीन दिव्यांग है। उन्होंने अपनी आंख जमना को मान रखा है। भैंस जमना को वह खुद मुकाबलों में लेकर जाता है। घर व बाहर व निरंतर भैंस की देखभाल करता है। बच्चों की तरह खान-पान का विशेष ध्यान रखता है। बचपन से ही उसका पशु पालन के प्रति लगाव है। जमना भैंस के पासडेढ़ माह की की कटड़ी है। वो अपनी जमना बेचना नहीं चाहता। प्रतियोगिता में तीसरा स्थान लाडी नामक भैंस ने 25 किलो 766 ग्राम दूध देकर जीता। भैंस के मालिक रामदिया ने बताया कि उसने अपने पशु धन का नाम प्यार से लाड़ी रखा हुआ है। लाडी ने पहली बार कंपीटिशन में हिस्सा लिया और तीसरा स्थान जीता।

अपने इनामों के साथ पहला, दूसरा व तीसरा स्थान हासिल करने वाले पशुपालक।

गुरमीत अलीपुरा की जमना द्वितीय और रामदिया की लाडी तृतीय रही

14 पशु पालकों ने प्रतियोगिता में लिया भाग

अब वह लगातार मेलों में हिस्सा लेगा। लाड़ी के साथ मेले में 7 दिन कटड़ा भी साथ मौजूद रहा।डा.संदीप बड़सीकरी, गुरविंदर असंध, गुरमीत अलीपुरा, बिल्लु बड़सीकरी, अशोक सुदकैन, रामदिया बड़सीकरी, जतिन शिमला, छत्र पाल, रामपाल, सुखराज, सुरेंद्र, अभिषेक, भीम देबन व दूसरे पशु पालकों ने बताया कि पशु दूध प्रतियोगिता मेले में 14 मुर्रह नस्ल के पशुपालकों ने भैंसों के साथ हिस्सा लिया। पशु मेले में पहले दिन सभी भैंसों को पूर्णत दूध से खाली करवाया। दूसरे दिन सभी पशुओं को फिर दुध उत्पादन का भार मापा गया। तीसरे और अंतिम दिन पशुओं के दूध को तोलकर मुकाबला हुआ। इसमें पशुओं को प्रथम इनाम में स्पलेंडर मोटरसाइकिल, द्वितीय में बैटरी वाली स्कूटी और तीसरा इनाम 21 हजार रुपए नकद रहा। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाली भैंसों के मालिकों प्रमाण पत्र दिए गए। काला बड़सीकरी एवं आयोजक कमेटी ने कहा कि मेला पशु पालन को बढ़ावा देने के लिए पशु पालकों के सहयोग से संपन्न हुआ। मेजबानी के लिए पहली बार गांव बढ़सीकरी खुर्द को चुना गया था।

स्कूलों में साफ-सफाई और आवारा कुत्तों से बचाव की कवायद

शिक्षकों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने के दिए आदेश

सभी स्कूलों-उच्च शिक्षण संस्थानों में लागू होगा आदेश

समस्या पर नियंत्रण के लिए शिक्षा निदेशालय पंचकूला ने उठाया कदम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा सरकार ने स्कूलों में साफ-सफाई और आवारा कुत्तों (स्ट्रे डॉग) के नियंत्रण के लिए शिक्षकों को नोडल अधिकारी नियुक्त करने का आदेश दिया है ताकि इन समस्याओं पर प्रभावी कार्रवाई हो सके। यह आदेश सभी स्कूलों और उच्च शिक्षण संस्थानों में लागू होगा। जिसमें नोडल अधिकारी का नाम और संपर्क जानकारी परिसर में प्रदर्शित करना अनिवार्य है. और इसकी रिपोर्ट संबंधित विभाग को भेजनी होगी। योजना के तहत प्रत्येक स्कूल में एक शिक्षक को नोडल अधिकारी बनाया जाएगा। जो सफाई और आवारा कुत्तों की समस्या पर निगरानी रखेगा। स्कूल के मुख्य द्वार पर नोडल अधिकारी का नामए पद और मोबाइल नंबर प्रदर्शित करना होगा। संबंधित अधिकारियों को इन मुद्दों पर कार्रवाई की रिपोर्ट देनी होगी। योजना का उद्देश्य छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और स्वच्छ वातावरण प्रदान करना है। शिक्षा निदेशालय ने उठाया अहम कदम सरकारी स्कूल परिसरों में स्वच्छता बनाए रखने और आवारा कुत्तों की समस्या पर नियंत्रण के लिए शिक्षा निदेशालय पंचकूला ने अहम कदम उठाया है। निदेशालय की ओर से जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किए हैं कि प्रत्येक स्कूल स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जाए। यह नोडल अधिकारी स्कूल परिसरों में साफ-सफाई, कूड़ा निस्तारण, शौचालयों की स्थिति और आवारा कुत्तों की आवाजाही पर निगरानी रखेंगे। निर्देशों के अनुसार नोडल अधिकारी स्कूल प्रशासन, स्थानीय निकाय और संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे। विशेष रूप से सुबह और छुट्टी के समय आवारा कुत्तों के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर सामने आने वाली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही स्कूलों के आसपास गंदगी या खुले कूड़े के ढेर पाए जाने पर भी नोडल अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

जींद। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय।

स्वच्छता का स्तर सुधरेगा

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह ने कहा कि शिक्षा निदेशालय के आदेशों का जिले में सख्ती से पालन कराया जाएगा। सभी स्कूल मुखिया को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने स्तर पर नोडल अधिकारी नामित करें और उनकी जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से तय करें। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और सुरक्षित स्कूल वातावरण विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और पढ़ाई दोनों के लिए जरूरी है। नियमित निरीक्षण के दौरान यदि किसी स्कूल में लापरवाही पाई गई तो संबंधित नोडल अधिकारी और स्कूल प्रबंधन की जवाबदेही तय की जाएगी। साथ ही अभिभावकों और ग्रामीण स्तर पर स्कूल प्रबंधन समितियों से भी सहयोग की अपील की गई है ताकि स्कूल परिसरों को सुरक्षित बनाया जा सके। शिक्षा विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से स्कूलों में स्वच्छता का स्तर सुधरेगा।

शिकायत पर कार्रवाई

निदेशालय की ओर से जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किए गए हैं कि प्रत्येक स्कूल स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की जाए। यह नोडल अधिकारी स्कूल परिसरों में साफ-सफाई, कूड़ा निस्तारण, शौचालयों की स्थिति और आवारा कुत्तों की आवाजाही पर निगरानी रखेंगे। निर्देशों के अनुसार नोडल अधिकारी स्कूल प्रशासन, स्थानीय निकाय और संबंधित विभागों के साथ समन्वय कर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे। विशेष रूप से सुबह और छुट्टी के समय आवारा कुत्तों के कारण विद्यार्थियों की सुरक्षा को लेकर सामने आने वाली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही स्कूलों के आसपास गंदगी या खुले कूड़े के ढेर पाए जाने पर भी नोडल अधिकारी जिम्मेदार होंगे।

कलायत में कार बनी आग का गोला

मोटरसाइकिल चालक ने बचाई तीन की जान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कलायत

कलायत में जम्मू कटरा एक्सप्रेसवे के पास चंडीगढ़- हिसार राष्ट्रीय मार्ग पर अचानक चलती हुई क्रेटा गाड़ी में आग के शोले धधक उठे। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया। निर्मल पब्लिक स्कूल प्रबंध निदेशक अंकुर निर्मल ने बताया कि अचानक पास से गुजर रहे बाइक सवार ने गाड़ी में आग सुलगने की जानकारी दी। तुरंत गाड़ी में सवार तीनों लोग वाहन को सड़क के एक साइड करते सुरक्षित बाहर निकले। डायल 112 और दमकल विभाग से संपर्क किया गया। बचाव टीमें मौके पर पहुंची। कलायत के दमकल कर्मियों ने स्थिति पर मोर्चा संभालते हुए डीजल टैंक में ब्लास्ट होने से पहले ही आग को काबू कर लिया। इस बचाव कार्य में आसपास मौजूद लोगों ने पूरी तरह से सहयोग किया। आग पर काबू पाने से पहले गाड़ी बुरी तरह से जल चुकी थी। घटना के समय मुख्य मार्ग पर भारी जाम लग गया। थाना प्रबंधक बलबीर सिंह के निर्देश पर पुलिस टीमों ने सड़क पर चल रही वाहन चालकों और आम लोगों से घटना से दूरी बनाए की अपील की। हिसाब से नहीं नेशनल हाईवे और एक्सप्रेस वे पर आपस स्थिति से निपटने की कमजोर व्यवस्था की पोल खोल दी। लोगों कहना था कि अगर एक्सप्रेसवे पर ही आपात स्थिति से निपटने के पुख्ता इंतजाम न हो तो यह सड़क सुरक्षा पर बड़ा सवाल है।

जींद में एलपीजी सिलेंडरों की कमी से लोग परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

अखिल भारतीय अग्रवाल समाज हरियाणा के प्रधान एवं प्रमुख समाज सेवी राजकुमार गोयल का आरोप है कि जींद में एलपीजी सिलेंडरों की भारी दिक्कत बनी हुई है। पिछले 15 दिनों से उपभोक्ताओं को बुक करवाने के बाद भी एलपीजी सिलेंडर नहीं मिल रहे है। ठंड के मौसम में लोग ब्लैक में एलपीजी सिलेंडर लेने पर मजबूर है। गोयल ने प्रशासन से एलपीजी सिलेंडरों की तत्काल सप्लाई बहाल करने की मांग की है। जानकारी के अनुसार जिन उपभोक्ताओं ने 10 से 15 दिन पहले गैस सिलेंडर बुक करवा रखा है वे लगातार इंतजार कर रहे हैं लेकिन अभी तक सिलेंडर उनके घरों तक नहीं पहुंच पाया है। उपभोक्ता लगातार गैस कार्यालय में फोन कर रहे है या तो फोन बंद मिलता है या फिर यह जवाब मिलता है कि पीछे से सप्लाई नहीं आ रही। पिछले 15 दिनों से सिलेंडरों की सप्लाई नहीं होने से उपभोक्ता भारी परेशान होकर रह गए है। ठंड के इस मौसम में तो गैस की कमी के कारण आम जनता को और भी ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उपभोक्ता मजबूरी में ब्लैक में एलपीजी सिलेंडर खरीदने को विवश हो रहे हैं जिससे उन पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। इस बारे पुराना बस स्टैंड स्थित भारत गैस कार्यालय से यह स्पष्ट हुआ है कि पिछले 15 दिनों से सप्लाई नहीं आ रही है। जिसकी वजह से उपभोक्ताओं को सिलेंडर नहीं मिल पा रहे।

जानलेवा हमला करने के जुर्म मे पांच साल की कैद

जींद। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नेहा नौरिया की अदालत ने जानलेवा हमला करने तथा शस्त्र अधिनियम के जुर्म में दोषी को पांच साल का कारावास तथा 18 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अभियोजन पक्ष के अनुसार दो जून 2022 को सीआइए स्टाफ को सूचना मिली थी कि गांव बडौदा के निकट एक युवक किसी वारदात को अजांम देने की फिराक में है। सूचना के आधार पर पुलिस ने युवक को घेर लिया। जिस पर युवक ने पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया। जबाव में पुलिस ने फायर कर युवक को काबू कर लिया। पुलिस पूछताछ में पकड़े गए युवक की पहचान गांव बनारसी जिला संगरूर निवासी सोनू के रूप में हुई थी। उचाना थाना पुलिस ने सोनू के खिलाफ जानलेवा हमला करने, शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया था। तभी से मामला अदालत में विचाराधीन था। शनिवार को अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नेहा नौरिया की अदालत ने सोनू को पांच साल का कारावास तथा 18 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है।

सीएम नायब सिंह सैनी की पत्नी सुमन सैनी कार्यकर्ताओं के साथ।

कार्यकर्ता सरकार-जनता के बीच सेतु : सुमन सैनी

कैथल। भाजपा जिला कार्यालय कपिल कमल, कैथल में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की धर्मपत्नी एवं हरियाणा बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ संवाद किया। सुमन सैनी ने कहा कि भाजपा संगठन समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास और कल्याण की भावना के साथ कार्य कर रहा है। महिला सशक्तिकरण, बाल संरक्षण एवं सामाजिक उत्थान के लिए सरकार द्वारा अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका लाभ सीधे आम जनता को मिल रहा है। कहा कि कार्यकर्ताओं की भूमिका केवल संगठन तक सीमित नहीं है, बल्कि वे सरकार और जनता के बीच सेतु का कार्य करते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया कि वे जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी गांव-गांव और वार्ड-वार्ड तक पहुंचाएं, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे। सुमन सैनी ने कहा कि सेवा, समर्पण और संस्कार भाजपा संगठन की मूल पहचान हैं। संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और जनसंपर्क पर निर्भर करती है। कहा कि बाल कल्याण परिषद के माध्यम से बच्चों के सर्वांगीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को लेकर लगातार कार्य किया जा रहा है । ज्योति सैनी ने कहा कि कार्यकर्ता ही संगठन की रीढ़ हैं और उनकी मेहनत से ही सरकार की नीतियां और योजनाएं जन-जन तक पहुँच रही हैं।

■ कपिल कमल कार्यालय में की कार्यकर्ताओं से बातचीत

इस साल लार्ज-कैप पर फोकस करें व सेक्टर चयन में बरतें समझदारी

▶▶ स्मार्ट निवेशकों को 2026 के लिए निवेश के टिप हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप सबसे बेस्ट

▶▶ 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा, इसमें अच्छा रिटर्न देने की क्षमता
▶▶ बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ सेक्टर रहेंगे

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

निवेश के नजरिये से देखा जाए तो वर्ष 2025 बेहद उतार-चढ़ाव वाला साल रहा। मिडकैप और स्मॉलकैप फंड्स ने जहां निवेशकों को निराश किया, वहीं लार्ज कैप फंड्स ने फायदा पहुंचाया है। अब बाजार के जानकारों का कहना है कि वर्ष 2026 के लिए निवेशकों निवेश के लिए धैर्य के साथ बेहतर रणनीति बनानी होगी, ताकि उनकी ग्रोथ बरकरार रह सके। अब 2026 में महंगाई के नियंत्रण में रहने, ब्याज दरों में संभावित कटौती और भू-राजनीतिक जोखिमों के धीरे-धीरे कम होने से बाजार के माहौल में सुधार की उम्मीद है। जानकारों ने 2026 में लार्ज-कैप शेयरों पर फोकस करने की सलाह है। हाई वैल्यूएशन और वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता, बेहतर बैलेंस शीट और मजबूत अर्निंग हासिल करती हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पोर्टफोलियो का लगभग 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखना सही रहेगा. मिड और स्मॉल-कैप में अवसर हैं, लेकिन केवल चुनिंदा और मजबूत कंपनियों में ही निवेश करना चाहिए। बैंकिंग, फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी प्रमुख ग्रोथ के सेक्टर रहेंगे। ऐसे में इन सेक्टरों पर निवेश के लिए फोकस किया जा सकता है।

यह वर्ष सावधानी के साथ अवसर वाला

नए साल की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए ज्यादा बैलेंस और उम्मीदों से भरी दिख रही है। 2025 में ग्लोबल टेंशन, हाई वैल्यूएशन और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बावजूद भारतीय बाजार घरेलू निवेशकों की मजबूत भागीदारी से टिका रहा। यह साल "सावधानी के साथ अवसर" वाला माना जा सकता है। एक ब्रोकरेज हाउस ने 2026 की इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटेजी पर अपनी एक रिपोर्ट दी है। इसमें कहा गया है कि निवेशकों को लार्ज कैप फंड्स पर फोकस करना चाहिए, चूंकि लार्ज कैप कंपनियां ज्यादा स्थिरता प्रदान करती हैं।

निवेश के लिए यह दी सलाह

ब्रोकरेज हाउस ने गोल्ड और सिल्वर में एलोकेशन घटाकर 5 फीसदी और डेट कैटेगरी (बॉन्ड/फिक्स्ड इनकम) में 10 फीसदी करने की सलाह दी है, ताकि स्थिरता और जोखिम संतुलन बना रहे। जैसे-जैसे वैश्विक जोखिम कम होंगे, इक्विटी की ओर झुकाव बढ़ेगा। निवेशक 60% लार्ज-कैप, 15% मिड-कैप और 10% स्मॉल-कैप में रखें। इसके अलावा गोल्ड, सिल्वर में 5% और डेट कैटेगरी में 10% निवेश की सलाह दी जाती है। इससे आपका पोर्टफोलियो बैलेंस रहेगा और निवेश में मुनाफा होगा, नुकसान नहीं।

इन सेक्टर पर करें फोकस

सेक्टर लेवल पर, बैंकिंग और फाइनेंशियल्स, इंफ्रास्ट्रक्चर, कंज्यूमर डिस्क्रेशनरी, हेल्थकेयर और आईटी 2026 के प्रमुख ग्रोथ सेक्टर माने गए हैं। ब्याज दरों में कटौती से बैंकों को क्रेडिट ग्रोथ का फायदा मिलेगा, जबकि सरकारी कैपेक्स और निजी निवेश में सुधार से इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनियों को सपोर्ट मिलेगा। टैक्स राहत, कम महंगाई और 8वें वेतन आयोग जैसी उम्मीदों से उपभोक्ता खर्च बढ़ने की संभावना है।

टिकाऊ ग्रोथ वाला साल

कुल मिलाकर, 2026 को "धीरे लेकिन टिकाऊ ग्रोथ" का साल माना जा रहा है। निफ्टी-50 के लिए दिसंबर 2026 तक लगभग 29,150 का लक्ष्य रखा गया है, जो करीब 12% सालाना रिटर्न का संकेत देता है। हालांकि हाई वैल्यूएशन, विदेशी निवेशकों की वापसी में देरी और वैश्विक घटनाक्रम जोखिम बने रहेंगे। इसलिए 2026 की सबसे अच्छी निवेश रणनीति होगी-लार्ज-कैप पर फोकस, सेक्टर चयन में समझदारी, और डाइवर्सिफाइड पोर्टफोलियो के साथ धैर्य।

क्या हैं लार्जकैप फंड्स

लार्ज-कैप फंड्स उन कंपनियों में निवेश करते हैं, जिनकी मार्केट कैपिटलाइजेशन 20,000 करोड़ रुपये से अधिक होती है। ये फंड्स स्थिरता और कम जोखिम के लिए जाने जाते हैं, जो उन्हें लंबी अवधि के निवेशकों के लिए उपयुक्त बनाते हैं।

टॉप लार्ज-कैप म्यूचुअल फंड्स

- निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 27% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 16%
- एचडीएफसी लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 23% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%
- इन्वेस्को इंडिया लार्जकैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 22% और 10-वर्षीय रिटर्न 15%
- टाटा लार्ज कैप फंड : 5-वर्षीय रिटर्न 21% और 10-वर्षीय रिटर्न 14%

लार्ज-कैप फंड्स के फायदे

- स्थिरता और कम जोखिम
- लंबी अवधि के निवेश के लिए उपयुक्त
- अनुभवी फंड मैनेजर्स द्वारा प्रबंधित
- विविध पोर्टफोलियो

बिना बिल घर में रख सकते हैं कितना सोना, समझ लें नियम

जानकारी
बिजनेस डेस्क

■ शादी, विरासत और गिफ्ट में मिले गोल्ड पर ऐसे है टैक्स के नियम
■ अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत बताए

भारत में शादी ब्याह का सीजन चल रहा है। इसका मतलब है कई पारिवारिक कार्यक्रम और साथ ही घरों में लॉकर से सोना निकालकर दुल्हन के गहनों में शामिल किया जाना। आम धारणा के उलट, भारत में किसी व्यक्ति या परिवार के पास सोने की मात्रा पर कोई कानूनी सीमा नहीं है। शर्त सिर्फ यह है कि सोना खरीदने या पाने का स्रोत बताया जा सके। ज्यादातर लोग जिन सीमाओं का जिक्र करते हैं, वे सीबीडीटी (सीबीडीटी) की नॉन-सीजर गाइडलाइंस से जुड़ी हैं। ये गाइडलाइंस आयकर विभाग की तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान लागू होते हैं। ये सोना रखने की सीमा नहीं हैं, बल्कि वह मात्रा है, जिनके भीतर होने पर, दस्तावेज न होने की स्थिति में भी आमतौर पर गहने जब्त नहीं किए जाते।

ये बातें नजरअंदाज न करें

ये लचीले नियम सिर्फ व्यक्तिगत और घरेलू इस्तेमाल के गहनों पर लागू होते हैं, न कि इन मामलों में निवेश के तौर पर जमा किया गया सोना, बड़ी मात्रा में रखे गए बुलियन, सिक्के या सोने की ईंटें, बिना वित्तीय स्रोत बताए ट्रेडिंग या सट्टे के लिए जमा किया गया सोना अगर सोने की मात्रा तय सीमा से ज्यादा है और उसका स्रोत नहीं बताया जा सकता, तो अतिरिक्त सोना अघोषित निवेश माना जा सकता है। ऐसे में भारी टैक्स और जुर्माना लगाया जा सकता है।

फाइनेंशियल एक्सपर्ट के अनुसार आज के समय में इसका मतलब रुपये के लिहाज से क्या होता है। एक सामान्य परिवार, जिसमें पति, पत्नी और एक अविवाहित बेटी शामिल हों, उसके लिए कानूनी रूप से स्वीकार्य सोने की मात्रा इस प्रकार है। पत्नी 500 ग्राम, पति 100 ग्राम, बेटी 250 ग्राम। इस तरह कुल सोना 850 ग्राम होता है।

कितना सोना रखना कानूनी रूप से सही

अगर सोने के गहने या आभूषण वैध आय से प्राप्त किए गए हैं और करदाता उसका स्रोत समझा सकता है, तो उन्हें रखने पर कोई पाबंदी नहीं है। इसमें विरासत में मिला सोना भी शामिल है। हालांकि, एक तय मात्रा तक सोना रखने के लिए स्रोत बताने की जरूरत नहीं होती।" विवाहित महिला 500 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है, अविवाहित महिला 250 ग्राम तक सोने के गहने रख सकती है। वहीं, पुरुष 100 ग्राम तक सोने के गहने रख सकते हैं। हिंदू अविभाजित परिवार सोने की मात्रा का आकलन परिवार की आय और सामाजिक स्थिति के आधार पर किया जाता है, इसके लिए कोई तय सीमा नहीं है। ये सीमाएं भारतीय सामाजिक परंपराओं- जैसे शादी, विरासत और पारिवारिक उपहार- को ध्यान में रखकर तय की गई हैं और इन्हें घरों में रखे जाने वाले सोने की उचित मात्रा माना जाता है। ये तय सीमाएं केवल उसी व्यक्ति के परिवार के सदस्यों पर लागू होती हैं, जिसके खिलाफ आयकर विभाग की तलाशी (टैक्स सर्च) की कार्रवाई की जाती है। यदि तलाशी के दौरान परिवार के सदस्यों के अलावा किसी और के आभूषण पाए जाते हैं, तो उन्हें कर अधिकारियों द्वारा जब्त किया जा सकता है।

यह स्पष्टता क्यों जरूरी

यह अंतर परिवारों के लिए बेहद अहम है, क्योंकि इससे टैक्स सर्च के दौरान बेवजह की घबराहट से बचाव होता है। भारतीय संस्कृति और परंपरा में गहनों के महत्व को मान्यता मिलती है। वैध घरेलू संपत्ति और अघोषित आय के बीच साफ फर्क किया जा सकता है। गलत जानकारी के कारण होने वाली महंगी कानूनी या अनुपालन संबंधी गलतियों से बचाव होता है। अधिकांश गलतियां दो छोरों पर होती हैं या तो लोग मान लेते हैं कि बिना बिल का कोई भी सोना अवैध है, या फिर बड़ी मात्रा में रखे गए, बिना स्रोत बताए गए सोने के लिए जरूरी दस्तावेजों को पूरी तरह नजरअंदाज कर देते हैं। यदि कोई व्यक्ति वर्षों में घोषित आय से खरीदे गए सोने का स्रोत साबित कर सकता है, तो वह कितनी भी मात्रा में सोना रख सकता है। इसी तरह, उपहार या विरासत में मिले सोने के मामले में भी संबंधित बिल, वसीयत, डीड या अन्य दस्तावेज होने चाहिए।

चांदी में 2026 में भी बड़ी संभानाएं लेकिन संभलकर करना होगा निवेश

●बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश हो सकता है रिस्की ●अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव●एमसीएक्स पर डेढ़ माह में चांदी करीब 50% तक उछली

सुझाव
बिजनेस डेस्क

पिछले डेढ़ महीने में चांदी ने जो रफ्तार दिखाई है, उसने निवेशकों को चौंका दिया है। इस दौरान एमसीएक्स पर चांदी करीब 50% तक उछल चुकी है और अब सवाल यही है कि क्या यह सिर्फ एक तेज रैली है या इसके पीछे कोई गहरी वजह छिपी है? हकीकत यह है कि यह उछाल अफवाहों या सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर चांदी की भूमिका में आए बड़े बदलाव का संकेत है। फिलहाल इस सुपर रैली के बाद निवेशकों को चांदी में क्या करना चाहिए। जानकारों का कहना है कि चांदी 2026 में भी निवेशकों की चांदी करवाएगी, लेकिन इसके लिए लोगों को संभलकर निवेश करना होगा और रणनीति बनानी होगी, ताकि बाद में पछताना न पड़े। सर्राफा बाजार के जानकारों का कहना है कि चांदी की भूमिका वैश्विक स्तर पर बढ़ी है। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90–100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है। यह निवेशकों को मालामाल कर सकती है।

चांदी की भूमिका में बड़ा बदलाव

जानकारों का कहना है कि कई सालों तक चांदी को या तो गहनों के लिस मेटल माना गया या फिर ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल होने वाला मेटल, लेकिन अब यह सोच बदल चुकी है। आज चांदी रणनीतिक इंडस्ट्रियल मेटल बन चुकी है। रिन्यूएबल एनर्जी, इलेक्ट्रिफिकेशन, डिजिटल इकॉनमी और रक्षा क्षेत्र में बढ़ती जरूरतों ने चांदी को उत्पादन के लिए अनिवार्य बना दिया है। यही वजह है कि इसकी मांग अब अस्थायी नहीं, बल्कि स्थायी बनती जा रही है।

इंडस्ट्रियल डिमांड क्यों है मजबूत

चांदी की सबसे बड़ी ताकत है इसकी बेहतरीन इलेक्ट्रिकल कंडक्टिविटी, जो इसे सोलर पैनल, इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर्स, पावर ग्रिड और डिफेंस सिस्टम्स में बेहद जरूरी बनाती है। इन क्षेत्रों में कीमत से ज्यादा भरोसे और प्रदर्शन को अहमियत दी जाती है। इसका मतलब यह है कि दाम बढ़ने के बावजूद कंपनियां चांदी खरीदना बंद नहीं कर सकतीं। इसी वजह से चांदी की मांग अब प्राइस इनेलास्टिक हो गई है और गिरावट पर तुरंत सपोर्ट देखने को मिलता है।

ये रैली, पिछली रैलियों से क्यों अलग

लंबे समय तक चांदी की कीमतें फ्यूचर्स और पेपर ट्रेडिंग से तय होती रहीं, लेकिन जैसे ही ग्लोबल स्तर पर दाम संवेदनशील स्तरों तक पहुंचे, फिजिकल उपलब्धता का सवाल खड़ा हो गया। सप्लाई टाइट हुई, सेलर्स पीछे हटे और खरीदार मजबूर होकर ऊंचे दाम पर खरीदने लगे. नतीजा तेज सिंगल-डे मूव्स और लगातार ऊंची क्लोजिंग, जो यह दिखाते हैं कि बाजार अब राय नहीं, बल्कि हकीकत के आधार पर कीमत तय कर रहा है। आगे चलकर चांदी में संभावनाएं बनी हुई हैं। अगर इंडस्ट्रियल डिमांड और सप्लाई की कमी बनी रहती है, तो अगले 1-2 साल में 90-100 डॉलर प्रति औंस की ओर बढ़त संभव है, लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि चांदी बेहद अस्थिर (वोलेटाइल) कमोडिटी है। 1980 और 2011 की तरह तेज रैली के बाद गहरी गिरावट भी आ सकती है। लंबे समय में 40 डॉलर प्रति औंस एक अहम सपोर्ट जोन माना जाता है। इसलिए चांदी में निवेश मौका जरूर है, लेकिन बिना रणनीति और जोखिम प्रबंधन के निवेश रिस्की हो सकता है।

चांदी में निवेश के विकल्प

- **फिजिकल चांदी :** आप बाजार से चांदी के सिक्के, गहने या बार खरीद सकते हैं। इसमें चोरी या शुद्धता की चिंता रहती है, इसलिए बीआईएस हॉलमार्क्ड चांदी ही खरीदना चाहिए।
- **सिल्वर ईटीएफ :** ये एक ऐसा फंड है जो चांदी की कीमतों पर आधारित है। इसमें पैसा चांदी की कीमत के हिसाब से बढ़ता-घटता है। ये स्टॉक एक्सचेंज पर शेयरों की तरह ट्रेड होते हैं।
- **म्यूचुअल फंड्स :** चांदी से जुड़े म्यूचुअल फंड्स भी अच्छे विकल्प हैं। कमोडिटी फंड, खनन कंपनियों के शेयर और एमसीएक्स फ्यूचर्स-ऑप्शन्स भी विकल्प हैं।
- सोवरिन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) की तरह सिल्वर बॉन्ड : सरकार द्वारा जारी किए जाते हैं, जो चांदी की कीमतों से जुड़े होते हैं।
- **चांदी के शेयर :** चांदी की खनन करने वाली कंपनियों के शेयरों में निवेश कर सकते हैं, जैसे कि फर्स्ट मैजेस्टिक सिल्वर कॉर्प, पैन अमेरिकन सिल्वर कॉर्प और एंडेवर सिल्वर कॉर्प।

अलर्ट हर व्यक्ति कमाई को सही तरीके से निवेश कर बन सकता है मजबूत

बचत करने के लिए स्पष्ट योजना बनाएं और भविष्य को सुरक्षित करें

मनी मैनेजमेंट के टिप्स अपनाएं जेब कभी भी नहीं होगी खाली, सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें

समझदारी
बिजनेस डेस्क

आज के समय में बहुत से लोग अच्छी कमाई करते हैं, लेकिन हर महीने यह महसूस करते हैं कि पैसा जैसे जेब से गायब हो जाता है। उनके पास कोई स्पष्ट योजना नहीं होती कि पैसा कहां जा रहा है और आखिर बचत कैसे करनी चाहिए। यह समस्या आज के समय में लगभग हर घर में देखने को मिलती है। कई लोग सही तरीके से पैसे को मैनेज नहीं करते, जिसकी वजह से ठीक-ठाक कमाई होने के बावजूद आर्थिक तनाव बना रहता है। अधिकतर लोगों में यही गलती रहती है कि वो कमाते तो ठीक-ठाक हैं, लेकिन पैसों को संभालने का कोई सिस्टम नहीं बनाते। इससे हर महीने के अंत में पैसे के मामले में निराशा होती है। अगर सही मनी मैनेजमेंट टिप्स अपनाए जाएं, तो कमाई को सही दिशा में लगाया जा सकता है और खुद को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ टिप्स जो आपको सही मनी मैनेजमेंट के गुर सिखाएंगे।

खर्च करने से पहले बचत को ऑटोमैटिक बनाएं

पहला और सबसे महत्वपूर्ण सुझाव है कि सेविंग को पहले रखें और खर्च बाद में करें। ज्यादातर लोग महीने का पूरा बजट बनाने के बजाय जितना बचेगा उतना बचत में डालते हैं, लेकिन यह तरीका अक्सर काम नहीं करता।

उनका सुझाव है कि महीने के पहले दिन ही अपने अकाउंट से एक तय रकम ऑटोमैटिक ट्रांसफर करें। यह रकम बचत खाते या निवेश खाते में जा सकती है। इससे न सिर्फ बचत हो जाएगी, बल्कि मन में पैसों को लेकर तनाव भी कम होगा। ऑटोमैटिक बचत करने वाले लोग महीने के अंत में पैसे के मामले में ज्यादा सुरक्षित महसूस करते हैं और बड़े खर्चों के लिए भी तैयार रहते हैं।

हर खर्च को ऐप में ट्रैक करें

दूसरा टिप है बजटिंग ऐप्स का इस्तेमाल करना। कई लोग खर्च सिर्फ याद्दाश्त या नोटबुक पर रखते हैं, लेकिन इस तरह उनका सही हिसाब नहीं बन पाता। बजटिंग ऐप्स के माध्यम से हर छोटा-बड़ा खर्च रिकॉर्ड करें। जब लोग हर खर्च को ऐप में नोट करते हैं, तो उन्हें पता चलता है कि पैसा वास्तव में कहां जा रहा है। छोटे-छोटे खर्च जैसे कैफे में कॉफी, ऑनलाइन सब्सक्रिप्शन या अनावश्यक शॉपिंग मिलकर बड़ी रकम बनाते हैं।" ऐप्स आपको खर्च के हिसाब से रिपोर्ट भी देते हैं, जिससे पता चलता है कि किस जगह से बचत की जा सकती है।

कैशबैक और रिवॉर्ड्स से स्मार्ट कमाई करें

तीसरा टिप है कैशबैक और रिवॉर्ड। आजकल लगभग हर बैंक, क्रेडिट कार्ड और पेमेंट ऐप में रिवॉर्ड पॉइंट्स, कैशबैक और रेफरल बोनस होते हैं। छोटे-छोटे ऑफर्स को इग्नोर करने से आप अपनी कमाई का हिस्सा गंवा सकते हैं। यूपीआई ऑफर्स, क्रेडिट कार्ड रिवॉर्ड्स और रेफरल बोनस को जोड़कर देखें, तो सालाना लाखों रुपये तक की बचत या स्मार्ट रिटर्न संभव है। यह तकनीक केवल उन लोगों के लिए नहीं है जो बड़ी कमाई करते हैं, बल्कि छोटे खर्च वाले लोग भी इसका फायदा उठा सकते हैं।

दोस्तों के साथ खर्च बांटें, बोझ न लें

कई बार लोग पूरी बिलिंग खुद उठाते हैं, चाहे वह डिनर हो, मूवी टिकट हों या ट्रिप का खर्च। चौथा टिप है कि खर्च को आपस में शेयर करें। आजकल कई ऐप्स और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऐसे हैं जो दोस्तों के साथ खर्च बांटना आसान बनाते हैं। जब आप खर्च शेयर करते हैं, तो न केवल आपकी जेब पर बोझ कम होता है, बल्कि पैसे के इस्तेमाल का हिसाब भी साफ रहता है। इससे अनावश्यक उधारी लेने की जरूरत भी नहीं पड़ती।"

पैसे के लिए सिस्टम बनाएं, तनाव खुद कम होगा

छठा और अंतिम टिप यह है कि पैसे के लिए सिस्टम बनाएं। जब हर महीने का खर्च, बचत और निवेश तय सिस्टम के अनुसार होता है, तो मानसिक तनाव अपने आप कम हो जाता है। कई लोग पैसों के मामले में तनाव में रहते हैं, लेकिन जब एक साधारण सिस्टम अपनाया जाता है, जैसे ऑटो सेविंग, खर्च ट्रैक करना और निवेश करना, तो चिंता अपने आप कम हो जाती है। यह तरीका मानसिक शांति के साथ-साथ आर्थिक मजबूती भी देता है।

छोटी बचत को लंबी निवेश आदत बनाएं

पांचवां टिप है एसआईपी या लंबी अवधि के निवेश में छोटी बचत को बदलना। अक्सर लोग सोचते हैं कि सिर्फ बड़ी रकम का निवेश करना ही फायदा देगा, लेकिन बाजार के जानकारों का कहना है कि छोटी रकम भी लंबी अवधि में वेल्थ क्रिएट कर सकती है। वो कहते हैं सिर्फ 500 रुपये महीना भी एसआईपी में निवेश करके 10-15 साल में अच्छी राशि जमा की जा सकती है। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि यह आदत बन जाती है और नियमित निवेश से वित्तीय सुरक्षा मिलती है।

खबर संक्षेप

नशे के खिलाफ निकाली जागरूकता रैली

उचाना। स्वामी विवेकानंद वमावि कसूहन के एनएसएस कैंप के तीसरे दिन स्वयं सेवक एवं सेविकाओं ने नशा मिटाओ देश बचाओ पर गांव में जन जागरूकता रैली निकाली। प्राचार्य संजय शर्मा ने इसको रवाना किया। स्वयं सेवक व सेविकाओं ने घर-घर जाकर नशे से होने वाली हानियों के बारे में बताया। उप-प्राचार्य राजेश शास्त्री, प्रोग्राम अधिकारी सुनील खटकड़, गीता, सोनिया मोर आदि मौजूद थे।

अभिषेक संस्था कोहिनूर अवार्ड से सम्मानित

जींद। समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर एवं उल्लेखनीय योगदान के लिए सीआरएस विश्वविद्यालय के विधि विभाग के छात्र अभिषेक जुलाना को सर्वजन एजुकेशनल एंड वोकेशनल संस्था द्वारा संस्था कोहिनूर अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान रोहतक में आयोजित एक गरिमामय समारोह में संस्था के प्रधान नरेंद्र कटारिया तथा मुख्य अतिथि रिटायर्ड लेफ्टिनेंट हवा सिंह के द्वारा प्रदान किया गया।

दो स्थानों से ट्रांसफार्मर चोरी, मामले दर्ज

जींद। सदर थाना सफीदों इलाके के दो गांवों में बीती रात चोरों ने दो ट्रांसफार्मरों को चोरी कर लिया। शिकायतों के आधार पर पुलिस ने चोरी के मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निगम के एसडीओ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बिजली निगम ने योजना के तहत गांव खेड़ाखेमावती में दस केवी तथा गांव सिंघाना में 16 केवी का ट्रांसफार्मर रखा हुआ था।

आर्ट इंटीग्रेशन आतंरिक प्रशिक्षण कार्यशाला हुई

जींद। न्यू प्रगति सीनियर सेकेंडरी स्कूल डाहौला में आर्ट इंटीग्रेशन विषय पर आंतरिक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का मुख्य विषय आर्ट इंटीग्रेशन रहा। प्रशिक्षण कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्राचार्या लाजवंती ने की। संबोधन में कहा कि आर्ट इंटीग्रेशन आधारित शिक्षण से शिक्षकों में विद्यार्थियों की रचनात्मकता, समझ और सीखने की क्षमता में वृद्धि होती है।

बच्चों ने एनएसएस कैंप के तहत किया श्रमदान

जींद। एनएसएस के सात दिवसीय कैंप के तीसरे दिन घिमाना गांव के एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में बच्चों ने विद्यालय के प्रांगण में सुंदरता को बढ़ाने के लिए सब बच्चों ने मिलकर पार्क की साफ. सफाई की तथा नए-नए पौधों को लगाया ताकि उन पर मौसम के नए-नए फूलों द्वारा विद्यालय का बगीचा महक उठे।

मखंड गांव के पटवारी को किया सम्मानित

उचाना। मखंड गांव में आयोजित कार्यक्रम में मखंड गांव के पटवारी नरेश को बेहतर कार्य के लिए सम्मानित किया गया। विकास मखंड ने बताया कि पटवारी नरेश द्वारा किए जा रहे बेहतर कार्य को देखते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। जमीन संबंधित जो भी कार्य हो उसको लेकर पटवारी नरेश निरंतर प्राथमिकता के आधार पर कार्य करते है ताकि लोग परेशान न हो। गांव में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें स्मृति चिन्ह , चद्दर देकर सम्मानित किया।

सफाई कर्मियों को सम्मानित करने के लिए कार्यक्रम 11 को

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा तथा कैबिनेट मंत्री कृष्ण कुमार बेदी मकर संक्रांति के अवसर पर मैढ़ सुनार सभा जींद द्वारा 11 जनवरी को आयोजित एक कार्यक्रम में सफाई कर्मचारियों को सम्मानित करेंगे। शनिवार को मैढ़ सुनार सभा के प्रधान सत्यनारायण सोनी की अगुवाई में प्रतिनिधिमंडल ने डा. कृष्ण मिड्ढा के आवास पर जाकर कार्यक्रम का निमंत्रण दिया।

जरूरतमंद को वितरित किए गर्म कंबल

उचाना। 20 सालों से जरूरतमंद लोगों को सर्दी से बचने के लिए कंबल के साथ-साथ गर्म कपड़े माता भ्रामरी शक्तिपीठ पुजारी शिवकुमार कौशिक बांट रहे है। बताया कि नव वर्ष पर सर्दी से बचने के लिए जरूरतमंदों को गर्म कपड़े- कंबल बांटते है।

एफएलएन के तहत 6 जनवरी से प्रारंभ होंगे कैंप

जींद के 1760 अध्यापकों सहित 2303 लेंगे प्रशिक्षण

अनुशासन, समयबद्धता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। बैठक को संबोधित करते डीईईओ और मौजूद अधिकारी। फोटो :हरिभूमि

जिला जींद में प्राथमिक शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करने और निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के उद्देश्य से जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इसमें जिले के सभी खंड शिक्षा अधिकारी, ब्लॉक कॉर्डिनेटर एफएलएन तथा जिला समन्वयक राजेश वशिष्ठ सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी दो दिवसीय प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन की रूपरेखा तैयार करना था। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने बताया कि छह जनवरी से जिले में प्रशिक्षण कैंपों की शुरुआत होगी। इस प्रशिक्षण में जींद जिले के 1760 अध्यापक भाग लेंगे। जबकि अन्य जिलों से 543 अध्यापक जींद में आकर प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त जींद जिले के 229 अध्यापक अन्य जिलों में जाकर प्रशिक्षण लेंगे। महेंद्र सिंह ने सभी खंड शिक्षा अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को निदेशालय के दिशा-निर्देशों के अनुसार संचालित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण का समय प्रातः 9:30 बजे से सायं 4:30 बजे तक रहेगा तथा सभी अध्यापकों की दोनों समय उपस्थिति (आने और जाने) अनिवार्य होगी। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशिक्षण के दौरान किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में सभी खंड शिक्षा अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम को पूर्ण समर्पण और जिम्मेदारी के साथ संपन्न कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं जैसे प्रशिक्षण स्थल, सामग्री, भोजन, पेयजल, बैठने की व्यवस्था आदि पहले से सुनिश्चित कर ली जाएंगी ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। जिला समन्वयक राजेश वशिष्ठ ने बताया कि सभी ब्लॉक कॉर्डिनेटर (एफएलएन) के सहयोग से प्रशिक्षण के बैच तैयार कर लिए गए हैं और सभी मास्टर ट्रेनरों की ड्यूटी भी निर्धारित कर दी गई है।

कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षकों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा। क्योंकि इसके माध्यम से शिक्षकों को निपुण भारत मिशन के तहत मौलिक साक्षरता और संख्यात्मकता (फएलएन) के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आवश्यक कौशल और रणनीतियां सिखाई जाएंगी। राजेश वशिष्ठ ने यह भी बताया कि प्रशिक्षण के दौरान शिक्षकों को बच्चों की सीखने की गति को समझने, कक्षा में नवाचार अपनाने, और शिक्षण प्रक्रिया को अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न गतिविधियों और मॉड्यूल्स के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। बैठक के अंत में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी महेंद्र सिंह ने सभी अधिकारियों और समन्वयकों को निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन, समयबद्धता और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। कहा कि प्रशिक्षण केवल एक औपचारिकता नही बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने की दिशा में एक ठोस कदम है। विश्वास व्यक्त किया कि सभी अधिकारियों और शिक्षकों के सहयोग से यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले में शिक्षा के स्तर को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में मील का पत्थर साबित होगा।

सूटकेस से मिली महिला की नहीं हो पाई पहचान

कैथल। कैथल में शीला खेड़ा ड्रेन पर सूटकेस में मिले करीब 30 वर्षीय महिला के शव की पहचान नहीं हो पाई। पुलिस ने तीसरे दिन शव का पोस्टमॉर्टम करवा दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में भी यही सामने आया कि महिला की गला दबाकर हत्या की गई है। हालांकि मृतका की पहचान करने और आरोपियों का पता लगाने में पुलिस की टीमें जुटी हुई हैं, लेकिन अभी तक कोई अहम तथ्य पुलिस के हाथ नहीं लगा है। जीवन रक्षक दल के सदस्यों ने ड्रेन में सूटकेस में मिले महिला के शव का अंतिम संस्कार किया। संस्था के प्रधान राजू डोहर ने बताया कि उन्होंने 183वीं ऐसे शव का संस्कार करवाया है, जिसकी पहचान नहीं हो सकी। यह 72 घंटे से अस्पताल के शवगृह में रखा हुआ था। पहचान नहीं हो पाई, जिसके बाद पुलिस की मौजूदगी में संस्था ने इसका संस्कार करवाया। मामले को लेकर एसपी उपासना ने कहा कि मृतक महिला के पोस्टमॉर्टम के दौरान यही बात सामने आई है कि उसे गला दबाकर मारा गया और बाद में सूटकेस में डालकर ड्रेन में फेंक दिया गया।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को लेकर खुला दरबार

पूंडरी। जांबा गांव में पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार एवं आम उपभोक्ताओं को जागरूक करने के उद्देश्य से एक खुला दरबार आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को सोलर रूफटॉप सिस्टम के लाभ, सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी तथा आवेदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देना रहा। खुले दरबार में विधायक सतपाल जांबा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ गौरव लोचाब, कार्यकारी अभियंता एक्सईएन, ऑपरेशन डिवीजन पूंडरी, बलवान मेहरा एसडीओ सब-डिवीजन नं. 2, कुलदीप नैन एसडीओ सब-डिवीजन नं. 1, एसडीओ सब-डिवीजन ढांड एवं एसडीओ सब-डिवीजन राजौंद भी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते विधायक सतपाल जांबा ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना आम उपभोक्ताओं के लिए अत्यंत लाभकारी है।

जींद। मुख्यातिथि को सम्मानित करते आयोजक। फोटो :हरिभूमि

लक्ष्य प्राप्त करने के लिए किया जागरूक

जींद। जाट वमावि में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस कैंप के तीसरे दिन जिला संयोजक अधिकारी हंसवीर रेढू मुख्य अतिथि के रूप में आए प्राचार्य सौरभ भारद्वाज ने मुख्य अतिथि हंसवीर रेढू का स्वागत व अभिनंदन किया। मुख्य अतिथि हंसवीर ने छात्रों को एनएसएस के महत्व को समझाते शिक्षा के साथ-साथ एनएसएस वालेंटियर बन कर राष्ट्र व समाज की भावना उजागर करना शिक्षा से उच्च लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जागरूक किया। बताया कि अगर आप उच्च लक्ष्य प्राप्त करके चलोगे तो मंजिल अवश्य मिलेगी। हंसवीर ने बताया कि छात्र जीवन मे मोबाइल व नशे की लत से हमेशा दूर रहना चाहिए। नशा जीवन को बर्बाद कर देता है और परिवार की भी हानि होती है। अतः कभी भी नशे को नहीं अपनाना चाहिए। समाज से भी नशे की रोकथाम में एनएसएस वालेंटियर अहम भूमिका निभा सकता है। प्राचार्य सौरभ भारद्वाज ने प्रकृति की रक्षा व पर्यावरण की सुरक्षा करने के लिए एनएसएस वालेंटियर हमेशा तत्पर रहता है। एनएसएस अधिकारी शैलेंद्र ने आए मुख्य अतिथि हंसवीर रेढू और प्राचार्य का हार्दिक अभिनंदन में स्वागत किया छात्रों ने एनएसएस कैंप के दौरान सीखे गए अनुभवों को मुख्य अतिथि के समक्ष प्रस्तुत किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। राजेश लांबा, राजीव, अजय, रामवीर आदि कर्मचारी मौजूद रहे।

बेटियों को समाज के लिए बोझ न समझें: डा. संदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| राजौंद

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करोड़ा में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ संदीप की अध्यक्षता में लिंगानुपात सुधारने के लिए बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र करोड़ा के अधीन कार्यरत सभी महिला व पुरुष बहुउद्देशीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। डॉक्टर संदीप सिंह ने सभी कर्मचारियों को बताया कि आप सब अपने अपने क्षेत्र में लोगों को लिंगानुपात बारे जागरूक करें। लोगों को बताएं कि बेटियों को समाज के लिए बोझ न समझें क्योंकि बेटियां किसी भी क्षेत्र में बेटों से कम नहीं हैं जिस तरह बेटियां देश की सुरक्षा में अपना योगदान दे रहीं हैं, खेल में जीतकर देश का नाम रोशन कर रही हैं।

राजौंद। बैठक के दौरान कार्यक्रम में भाग लेते स्वास्थ्य कर्मचारी। फोटो :हरिभूमि

लिंग जांच न करवाएं

देश की राजनीति में भी बेटियां पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर अपनी सेवाएं दे रहीं हैं। ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जिसमें लड़कियों की भागीदारी न हो। एक लड़की दो परिवारों की देखभाल करती है,शादी से पहले अपने माता-पिता के घर में रह कर अपने माता-पिता,भाई-बहन व परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करती है तथा शादी के बाद अपने पति, सास ससुर व परिवार के अन्य सदस्यों की देखभाल करती है। इसलिए हमारा कर्तव्य बनता है कि बेटियों को शिक्षित करना सुनिश्चित करें। लोगों को बताएं कि कोई भी व्यक्ति गर्भ के दौरान लिंग जांच न करवाएं। अगर आस पास या रिश्तेदारी में कोई लिंग जांच करवाए तो इसकी सूचना तुरंत स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दें, सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम गुप्त रखा जाएगा तथा सूचना सही पाए जाने पर सूचना देने वाले व्यक्ति को सरकार की तरफ से एक लाख रुपये की राशि ईनाम के तौर पर दी जाएगी।अगर कोई व्यक्ति लिंग जांच करवाते हुए पाया जाता है तो सरकार की हिदायतों के अनुसार उसे तीन साल की कैद व जुर्माना किया जाएगा।

अखिल भारतीय रोड महासभा प्रधान व कार्यकारिणी का स्वागत करते ग्रामीण।

कार्यकारिणी का संगरौली में भव्य स्वागत

पूंडरी। संगरौली द्वारा अखिल भारतीय रोड महासभा की कार्यकारिणी के सम्मान में भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्य लोग, कार्यकर्ता और ग्रामीण उपस्थित रहे। पूरे कार्यक्रम में उत्साह, भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश स्पष्ट रूप से देखने को मिला। इस अवसर पर प्रधान सेवक बलकार सिंह पूंडरी ने संगरौली गांव व सर्व समाज का आभार व्यक्त करते कहा कि जिस मान-सम्मान और स्नेह के साथ कार्यकारिणी का स्वागत किया गया है, उसके लिए अखिल भारतीय रोड महासभा की समस्त कार्यकारिणी सदैव ऋणी रहेगी। कहा कि यह सम्मान केवल व्यक्तियों का नहीं, बल्कि पूरे समाज की एकता, परंपरा और संस्कारों का प्रतीक है। कहा कि रोड समाज ने हमेशा सामाजिक एकजुटता, भाईचारे और विकास के मार्ग पर चलते समाज को दिशा देने का कार्य किया है। महासभा आने वाले समय में समाजहित, शिक्षा, युवाओं के उत्थान और सामाजिक भवनों के विकास जैसे मुद्दों पर पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी।

भंडारे में एक हजार भक्तों ने लिया प्रसाद

कैथल। गोदाम रोड, हनुमान मार्किट, संकट मोचन हनुमान जी की प्रतिमा के पास 15वां भण्डारा गाजर का हलवा का भण्डारे का आयोजन किया। भंडारे का शुभारंभ ऋषिपाल गोयल, टिम्बर मर्चेंट, कैथल ने किया। एक हजार भक्तो ने प्रसाद को ग्रहण किया। भण्डारा हनुमान मार्केट के दुकानदारों के सहयोग से लगाया जाता है। स्मरण रहे कि संकट मोचन हनुमान भण्डारा समिति प्रति मास प्रत्येक पूर्णमासी को इस भण्डारे का आयोजन करती है। 16वां भण्डारा 1 फरवरी को लगाया जाएगा। इस मौके पर अखिल भारतीय हिन्दू महासंघ के अध्यक्ष सतपाल गुप्ता ने बताया कि यह हमारे लिए परम सौभाग्य की बात है कि हम यह आयोजन कर रहे हैं। आयोजन से धार्मिक भावनाओं को प्रगति मिलती है अपितू आपस में भाई चारे की भावना भी बढती है। इस भण्डारे में किसी प्रकार की बिना किसी जात पात, ऊंच नीच सभी प्रसाद ग्रहण करते है।

कैथल। भंडारे में प्रसाद लेते श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

प्रथम महिला शिक्षिका को याद करते कसान के स्वयं सेवक।

सावित्रीबाई फुले को किया नमन

राजौंद। राजकीय वमावि कसान में चल रहे एनएसएस शिविर में योग सत्र के बाद सभी स्वयंसेवकों और उपस्थित अध्यापकों ने भारत की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की जयंती पर याद किया। इस दौरान हिंदी प्राध्यापक भजन सिंह मलिक ने भारत में आधुनिक शिक्षा की जननी सावित्रीबाई फुले के जीवन और लड़कियों की शिक्षा में उनके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इसके बाद कार्यक्रम अधिकारी कृष्ण कुमार ने स्वयं सेवकों को फर्स्ट एड की जानकारी दी और बताया कि किस प्रकार हमारी थोड़ी सी सर्तकता किसी के अमूल्य जीवन को बचा सकती है। इसके बाद जेड किंग कंप्यूटर सेंटर कैथल से आए राजकुमार व सिमरनजीत ने स्वयंसेवकों को साइबर सिक्योरिटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर जानकारी दी। उन्होंने सभी स्वयं सेवकों को बताया कि आज के डिजिटल युग में जागरूक होना जरूरी है ताकि किसी भी प्रकार के साइबर फ्रॉड से बचा जा सके। इस दौरान पवन शर्मा, भजन सिंह,सुमन देवी, कृष्ण कुमार और रोहतास मौजूद रहे।

एनएसएस शिविर के तृतीय दिन प्राथमिक उपचार का दिया प्रशिक्षण

नर सेवा के लिए सदैव तत्पर रहें : विद्यार्थी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

डीएवी शताब्दी पब्लिक स्कूल अर्बन एस्टेट की एनएसएस यूनिट द्वारा आयोजित किए जा रहे सात दिवसीय विशेष एनएसएस शिविर के तृतीय दिन प्राथमिक उपचार एवं होम नर्सिंग प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के लिए जिला रेडक्रॉस सोसायटी से प्राथमिक उपचार प्रवक्ता वीरेंद्र बिरौली द्वारा स्वयंसेवकों को किसी भी दुर्घटना के समय डॉक्टर के ना पहुंचने तक या मरीज को हॉस्पिटल ना पहुंचाने तक उपलब्ध करवाई जाने वाली प्राथमिक सहायता की विभिन्न विधियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई ताकि दैनिक वातावरण में घटित होने वाली किसी भी दुर्घटना के वक्त स्वयंसेवक अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकें। इस अवसर पर स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए विद्यालय की प्राचार्या रश्मि विद्यार्थी ने कहा कि किसी भी दुर्घटना के समय घायल व्यक्ति को अगर उचित प्राथमिक उपचार मिल जाता है तो उस घायल व्यक्ति की जान को बचाया जा सकता है। अतः हमें किसी भी परिस्थिति में परमपिता परमात्मा के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करने हेतु नर सेवा के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए। किसी दुर्घटना के समय दुर्घटना स्थल पर उपस्थित व्यक्ति की संजीदगी एवं प्राथमिक उपचार की सही जानकारी घायल व्यक्ति की जान बचा सकती है। ऐसे घायल व्यक्ति की हरसंभव सहायता करके हम बहुत बड़ा पुण्य कर्म करते हुए सृष्टि के रचयिता, परमपिता परमात्मा का आभार प्रकट करते हैं।

जींद। कैंप में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम अधिकारी अनिल कुंडू द्वारा स्वयंसेवकों को प्राथमिक उपचार की सही जानकारी अपना कर निस्वार्थ भाव से हर संभव मदद के लिए सदैव तत्पर रहने हेतु शपथ दिलवाई गई। इस अवसर पर रचना, सुरेश कुमार, नीरज कुमार, अनिल ढिंगरा, सतीश एवं स्वयंसेवकों पुलकित, जसमीन सैनी, देवप्रिया, वंशिका, यशिका, भव्या, सुमित कुमार द्वारा सभी गतिविधियों में मुख्य रूप से बढ़चढ़ कर के भाग लिया गया।

खबर संक्षेप

अवसरों की तलाश करें, नशे की नहीं : अनीता

जींद। सुप्रीम सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत सात दिवसीय शिविर का आयोजन उत्साह एवं अनुशासन के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एनएसएस गीत एवं वंदे मातरम के सामूहिक गायन से हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य नवीन कुमार ने की। इस अवसर पर मुख्यअतिथि अनीता लेक्चर ऑफ पोलिटिकल साइंस ने शिरकत की। स्वयंसेवकों को नशे से मुक्त होने के बारे में बताते हुए संबोधित किया कि नशा मुक्त जीवन जीने के लिए परिवार और दोस्तों का सहयोग सबसे अधिक महत्वपूर्ण है। यदि समाज भी इस समस्या के खिलाफ एकजुट हो जाए तो नशे पर काबू पाया जा सकता है। एक नशा मुक्त समाज न केवल स्वस्थ बल्कि सशक्त भी होता है। हमें इस दिशा में जागरूकता फैलाने और एकजुट होकर काम करने की जरूरत है ताकि नशे को जड़ से खत्म किया जा सके।

गांव पौली में कबड्डी प्रतियोगिता का आगाज

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के पौली गांव में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आगाज हुआ। प्रतियोगिता में 65 किलोग्राम भार वर्ग के खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता का आयोजन युवा स्पोट्र्स कमेटी द्वारा किया गया। जानकारी देते हुए आयोजन समिति के सदस्य बलजीत मलिक ने बताया कि इस कबड्डी प्रतियोगिता में दर्जनों टीमें भाग लेंगी। प्रतियोगिता को लेकर गांव के युवाओं में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। प्रतियोगिता के लिए खेल मैदान को पूरी तरह से तैयार किया जा रहा है ताकि खिलाडियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। प्रतियोगिता में विजेता टीम को 21 हजार रुपये नकद पुरस्कार दिया जाएगा। जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम को 15 हजार रुपये, तीसरे स्थान पर 11 हजार रुपये और चौथे स्थान पर रहने वाली टीम को 7100 रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा।

कसूहन में बनेगा राम कृष्ण महावीर जैन पक्षी बसेरा : देवेंद्र

उचाना। अब तक सर्दी से लोगों को बचाने के लिए रैन बसेरा बनते रहे है। गुरू मया मदन सुदर्शन संघ प्रमुख अरूण चंद्र महाराज की प्रेरणा से कसूहन गांव में राम कृष्ण महावीर जैन पक्षी बसेरा बनाया जाएगा। विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि जैन संत की प्रेरणा से कहसून गांव में राम कृष्ण महावीर जैन पक्षी बसेरा बनाया जाएगा। ये बनने के बाद पक्षी इसमें आ सकेंगे। पानी, पक्षियों के लिए दाना इसमें रखा जाएगा। हर गांव में इस तरह के पक्षियों के लिए पक्षी बसेरा बने ये प्रयास रहेगा। जल्द इसको लेकर कहसून गांव में कार्य शुरू करवा दिया जाएगा। अरूण चंद्र महाराज के प्रवचन में गए थे तो वहां उनकी प्रेरणा से इसका निर्माण की मन में आई। अनाज मंडी में आमजन से रूबरू होने के बाद उन्होंने कहा कि कसूहन गांव में भी जैन संत निरंतर आते रहते है। समाज को सही रास्ता दिखाने के साथ-साथ धर्म के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते है।

शिविर में 50 युवाओं ने स्वेच्छा से किया रक्तदान

जुलाना। कस्बे के आरोग्यम अस्पताल में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें क्षेत्र के युवाओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। इस रक्तदान शिविर में कुल 50 युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की मिसाल पेश की। कार्यक्रम की अध्यक्षता आरोग्यम अस्पताल के डायरेक्टर डा. योगेश नांदल ने की। मुख्यातिथि अतिथि के रूप में बरोदा से विधायक इंदुराज नरवाल ने शिरकत की। कार्यक्रम में नारनौंद के विधायक जस्सी पेटवाड़, योगी संजीव नाथ, मार्केटिंग बोर्ड के एसई नवीन दहिया, सुभाष ढिगाना, हरियाणवी कलाकार सुमित काजला, संजीत कौशिक हास्य कलाकार, सुर्यानंद सरस्वती तथा संत अमरदास विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। डा. योगेश नांदल ने बताया कि यह रक्तदान शिविर उनकी बेटी मन्नत नांदल के चौथे जन्मदिवस के अवसर पर लगाया है। कहा कि जन्मदिन जैसे खुशी के अवसर को समाज सेवा से जोडने का उद्देश्य लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

प्रजातंत्र में नहीं होता अहंकार का स्थान : जयप्रकाश

उचाना। कांग्रेस सांसद जयप्रकाश पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में कार्यकर्ताओं से रूबरू होने के बाद उनकी समस्याओं को सुना। समाधान के लेकर अधिकारियों से बातचीत की। उपमंडल कार्यालय के पास कांग्रेस कार्यालय में भी वो पहुंचे। डिप्टी स्पीकर डॉ. कृष्ण मिड्ढा द्वारा लगातार चौथी, पांचवी बार भाजपा सरकार बनने के बयान पर जयप्रकाश ने कहा कि प्रजातंत्र में अहंकार का स्थान नहीं होता। डिप्टी स्पीकर, भाजपा का कोई नेता हो या किसी दूसरी पार्टी में अहंकारी हो। प्रजातंत्र प्रणाली में अहंकारी का कोई स्थान नहीं होता। आज अहंकार की वजह से ही कई लोग निपटने की तरफ जा रहे है। सांसद ने कहा कि डिप्टी स्पीकर से प्रश्न पूछना चाहता हूं क्या इस पार्टी (भाजपा) में लोगों को अपमानित करवाना, अहंकारी बातों का इस्तेमाल करना, अधिकारियों को दबाव बनाना ये ही सिखाते है। चुनाव आयोग के कहने पर एसआईआर पर चर्चा केवल संसद में हो सकती है।

डिप्टी स्पीकर ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने शनिवार को अपने आवास पर जनसुनवाई दरबार में आमजन का शिकायतें सुनी। जनसुनवाई के दौरान पेयजल, बिजली, सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाएं, पेंशन, राजस्व प्रकरण, आवास सहित विभिन्न विभागों से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आई। डिप्टी स्पीकर ने प्रत्येक फरियादी की समस्या को गंभीरता व संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि जनसेवा ही प्रशासन का सर्वोच्च उद्देश्य है और आमजन की समस्याओं के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी तरीके से सुनिश्चित किया जाए। कहा कि जिन समस्याओं का समाधान तत्काल संभव नही है, उनके लिए ठोस कार्ययोजना बना कर शीघ्र समाधान किया जाए। जनसुनवाई प्रशासन और जनता के बीच सीधा संवाद स्थापित करने का सशक्त माध्यम है।

शिव स्कूल में मनाई पंडित रामधारी की पुण्यतिथि

जींद। पंडित रामधारी की पुण्यतिथि स्थानीय शिव प्राइमरी स्कूल में मनाई गई। इस अवसर पर पंडित फूल कुमार शास्त्री, रामचन्द्र शर्मा, रामधन, रिषिराम दयाकिशन, विनोद शर्मा, पवन ढिगाना व उपस्थित सभी व्यक्तियों ने रामधारी की प्रतिमा पर फूल चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। रामधारी के द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो को याद किया गया। पंडित रामधारी गांव बुआना के सरपंच रहे व जुलाना ब्लॉक समिति के चेयरमैन के पद पर रहे। हरियाणा निर्माता बंसीलाल के साथ उनके बहुत ही निकट संबंध थे। इस अवसर पर उनकी पौत्री वृंदा ने जयंती माता मंदिर में एक कमरा बनवाने का संकल्प लेते हुए आए हुए पुजारी पंडित नवीन व उनके साथ आए हुए अन्य पुजारियों को धन राशि भी अर्पित की। सूर्यानंद महाराज, सुभाष गौड, राजेन्द्र मुदगिल, विरेन्द्र दूहन, डा. कश्मीरी लाल, तेलूराम, भगवत दयाल, परस राम, रामचन्द्र अत्री, रामफूल, ईश्वर दत्त, सोनू शर्मा, त्रिलोकी, सुभाष शर्मा, शारदा सैनी आदि उपस्थित रहे।

भगत सिंह पुस्तकालय में छात्रों ने कल्पना के सजाए रंग

कलायत। प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले के जन्मदिवस के अवसर पर कलायत स्थित भगतसिंह पुस्तकालय में बच्चों के लिए विविध शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया। गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों में मानवीय मूल्यों, रचनात्मक क्षमता और वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना था। इसकी शुरुआत चित्रकला प्रतियोगिता से हुई। इसमें बच्चों ने धरती-पर्यावरण और सावित्रीबाई फुले जैसे विषयों पर अपनी कल्पनाओं को रंगों के माध्यम से अभिव्यक्त किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को गुरविंदर व किशन द्वारा मेडल एवं पुस्तकें देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में मुस्कान, अंकिता, निक्की, साना, निधि, व अन्य बच्चों ने हिस्सा लिया। दूसरे सत्र में बच्चों और युवाओं ने प्रगतिशील कविताओं एवं गीतों की सुंदर प्रस्तुतियां दी। उपरांत शिक्षक विशाल ने बच्चों को समूहों में बांटकर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता करवाई। इसमें बच्चों के ज्ञान के साथ-साथ सामूहिक सहयोग और टीम भावना को भी बल मिला।

ओएसडीएवी स्कूल में एनएसएस शिविर का शुभरंभ

कैथल। शहर के ओएसडीएवी पब्लिक स्कूल कैथल में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय कैम्प का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। स्वयंसेवकों को संबोधित करते मुख्य अतिथि अंजु तलवाड़ ने बताया कि हमारे विद्यालय मे राष्ट्रीय सेवा योजना की 2 इकाई कार्यरत हैं व प्रधानाचार्या ने शिविर उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए शिविरार्थियों का मार्गदर्शन किया और शिविर मे सम्मिलित विद्यार्थियों को सेवा ही परमो धर्म के मूल मंत्र को व्यावहारिक जीवन में लागू करने के लिए इसे मानसा वाचा कर्मणा, आत्मसात करने के लिए प्रेरित किया। एन. एस. एस. कार्यक्रम अधिकारी ने बताया कि शिविर में 110 स्वयंसेवको ने भाग लिया। अंत में मुख्य अतिथि प्रधानाचार्या ने स्वयंसेवकों को बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रमों में हमें बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए क्योंकि इससे आपसी सहयोग भावना का विकास होता है।

कपिल मुनि मंदिर में पौष पूर्णिमा मेले का आयोजन

कलायत। कलायत स्थित प्राचीन श्री कपिल मुनि तीर्थ पर पौष माह की पूर्णिमा पर मेला लगा। युवा समाजसेवी बिट्टू शर्मा द्वारा इस दौरान अटूट भंडारे का आयोजन किया गया। प्रसाद ग्रहण करने से पहले श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में स्थित सभी विग्रहों की पूजा कर पुजारी अनिरुद्ध गौतम द्वारा सुनाई जा रही कथा को सुना। गौतम ने कहा कि पूर्णिमा के दिन कपिल तीर्थ में स्नान कर कथा सुनने से जो फल मिलता है उसका व्याख्यान नहीं किया जा सकता। पुजारी संजय शास्त्री ने बताया की माघ माह के साथ ही पूरे माह में चलने वाले हवन की शुरूआत हो गई है। मंदिर में मानव कल्याण के लिए हर रोज पूजा अर्चना के साथ रूद्र महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। एक माह तक चलने वाले यज्ञ में नवग्रहों के निमित्त आहुतियां डाली जाएगी। मेले के दौरान कपिल मुनि मार्ग पर विभिन्न तरह की दुकानें सजी रही।

खबर संक्षेप

नशा न करने के लिए किया जागरूक

कैथल। नशा जागरूकता टीम द्वारा संजय कॉलोनी चीका व खरका क्षेत्र में विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के दौरान पुलिस टीम ने युवाओं, महिलाओं एवं आम नागरिकों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में विस्तार से जानकारी दी तथा नशे से दूर रहने की अपील की। नशा जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही किस्मत व सोनिया आदि शामिल रहे।

छात्राओं को पढ़ाया स्वावलंबन का पाठ

कलायत। कलायत के गांव मटौर स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में आयोजित पांच दिवसीय लाइफ स्किल डेवलपमेंट कैंप में छात्राओं को व्यावहारिक ज्ञान एवं आत्मनिर्भरता के गुर सिखाए जा रहे हैं। तय रूप रेखा अनुसार शिविर के पहले दिन कृषि विकास अधिकारी राजेश कुमार ने मुख्य वक्ता के तौर पर शिरकत की।

शांति ही मनुष्य के जीवन का एकमात्र आधार

राजौंद। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैलरम में एन एस एस शिविर के पांचवें दिन विश्व शांति की टीम ने स्वयंसेवकों को विश्व बंधुत्व, भाईचारा, प्रेम भावना के लिए प्रेरित किया। इसी संदर्भ में विश्व शांति की टीम ने बताया की वर्तमान तनाव में संसार में शांति ही मनुष्य के जीवन का एकमात्र आधार है।

गुरु गोबिंद सिंह प्रकाशोत्सव श्रद्धा से मनाया

रागी जत्थों ने गुरबाणी कीर्तन में गुरु की महिमा का किया बखान

गुरु गोबिंद सिंह के त्याग और बलिदान से कराया अवगत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। दरबार साहिब के हजूरी रागी भाई कमलजीत सिंह का रागी जत्था गुरबाणी गायन करते हुए तथा कथा वाचक गुरविंदर सिंह रत्तक गुरु इतिहास सुनाते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

कलगीधर पातशाह गुरु गोबिंद सिंह जी के 359वें प्रकाश पर्व शनिवार को श्रद्धा एवं उल्लास से मनाया गया। शहर के ऐतिहासिक गुरुद्वारा गुरू तेग बहादुर साहिब में प्रकाश पर्व की खुशी में रखे गए श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अखंड पाठ का भोग डाला गया। इसके उपरांत गुरुद्वारा साहिब में धार्मिक दीवान का आयोजन किया गया। जिसमें बाहर से आए रागी जत्थों एवं कथावाचकों ने शब्द गुरुबाणी व गुरु गोबिंद सिंह की जीवनी से जुड़ी घटनाओं द्वारा संगतो को निहाल किया।

गुरुघर के प्रवक्ता बलविंद्र सिंह ने बताया कि धार्मिक दीवान में सबसे पहले गुरुद्वारा साहिब के स्थानीय रागी जत्थे भाई जसबीर सिंह, भाई कुलदीप सिंह, भाई करमजीत सिंह द्वारा गुरबाणी कीर्तन गायन किया गया और कहा कि देह शिवा बर मोहे इहै, शुभ करमन ते कबहूं न टरूं। हे शिवा, मुझे यह वरदान दो कि मैं अच्छे कर्मों से कभी पीछे न हटूं, यह निडरता और कर्तव्यनिष्ठा का संदेश है। इसके पश्चात गुरु घर के हेड ग्रन्थी व प्रसिद्ध कथा वाचक गुरविंदर सिंह रत्तक ने अपने कथा प्रवचनों में बताया कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने देश और हिंदू धर्म की रक्षा की खातिर मुगल सल्तनत से लड़ते हुए अपने पिता गुरु तेग बहादुर, चार साहिबजादों एवं स्वंय को कुर्बान कर दिया लेकिन दीन कबूल नहीं किया। देश और धर्म को बचाने के लिए गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा की गई कुर्बानियों के कारण ही आज भारत वर्ष पूरे विश्व में एक अनूठी मिसाल बना हुआ है। उन्होंने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह ने अपनी बाणी में स्पष्ट किया है कि शरीर को नुकसान पहुंचने वाले किसी भी प्रकार के नशे और तंबाकू आदि का सेवन न करें। किसी भी इंसान की चुगली, निंदा ना करें, उससे बचें।

जरूरतमंद इंसान की हृदय से मदद करें

गुरुघर प्रवक्ता बलविंद्र सिंह ने कहा कि गुरु ने अपनी बाणी में कहा कि दुखी व्यक्ति, विकलांग व जरूरतमंद इंसान की सदैव हृदय से मदद करें। अपने द्वारा हमेशा दूसरों की मदद के लिए तैयार रखें। इसके बाद दरबार साहिब श्री अमृतसर से आए हजूरी रागी भाई कमलजीत सिंह के रागी जत्थे ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब में गुरू गोबिन्द सिंह की दर्ज रचनाओं को गुरबाणी शब्दों में

जींद। गुरबाणी श्रवण करते हुए श्रद्धालु।। *फोटो : हरिभूमि*

समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति मौजूद रहे

इस अवसर पर हरियाणा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के कार्यकारिणी सदस्य करनैल सिंह निम्नाबाद एवं गुरुद्वारा मैनेजर गुरविंदर सिंह चौगामा ने अपने संदेश में कहा कि गुरु करके सिख कौम का परचम पूरी दुनिया में लहरा रहा है। इस अवसर पर शहर के सभी गुरुद्वारों के प्रतिनिधि एवं समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित रहे।

स्वयंसेवकों के बीच फायर सेफ्टी और स्टार्टअप आइडिया पर चर्चा

- जाट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनएसएस का सात दिवसीय कैंप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। मास्टर विशेषज्ञ प्रताप और प्रदीप कुमार विद्यार्थियों को आगजनी पर काबू पाने की जानकारी देते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

जाट सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनएसएस के सात दिवसीय कैंप के पांचवें दिन शनिवार को स्वयंसेवकों को फायर एंड सेफ्टी व स्टार्टअप आइडिया के बारे में जानकारी दी गई। मुख्य अतिथि के तौर पर जैडकिंग इंस्टिट्यूट कैथल से प्रताप व प्रदीप ने स्वयंसेवकों को फायर एंड सेफ्टी की जानकारी देते हुए बताया कि आग हमारे जीवन के लिए जितनी उपयोगी है, लापरवाही बरतने पर उतनी ही विनाशकारी भी हो सकती है। एक विद्यार्थी के रूप में, आपको न केवल आग से बचना सीखना है, बल्कि आपातकालीन स्थिति में सही निर्णय लेना भी आना चाहिए। विद्यार्थियों को अपने आसपास आग लगने के कारणों जैसे पुराने तार, ओवरलोडेड सॉकेट या शॉर्ट सर्किट, साइंस लैब में रसायनों और बर्नर का गलत इस्तेमाल, जलती हुई मोमबत्ती, माचिस या लाइटर के साथ खेलना से बचना चाहिए।आग लगने के लिए तीन चीजों की आवश्यकता होती है। ईंधन,गर्मी व ऑक्सीजन। इनमें से किसी भी एक को हटा देने से आग बुझ जाती है।

कैथल कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामचंद्र ने सावित्रीबाई फुले को याद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ ढांड

ढांड। रामचंद्र गुर्जर ढांड माता सावित्री बाई फुले को पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि देते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

देश में लड़कियों और दलितों के लिए शिक्षा के दरवाजे खोलने वाली पहली महिला अध्यापिका सावित्रीबाई फुले की जयंती के अवसर पर कैथल कांग्रेस जिला अध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर ढांड ने जिला कार्यालय में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें सादर नमन किया और उनके संघर्षों को याद किया। इस मौके पर अपने संबोधन में कांग्रेस जिलाध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर ने कहा कि सावित्रीबाई फुले ने उस दौर में शिक्षा की अलख जगाई, जब समाज में महिलाओं और दलितों को पढने का अधिकार तक नहीं था। उन्होंने सामाजिक कुरीतियों, छुआछूत और लैंगिक भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाकर शिक्षा को समानता का सबसे सशक्त माध्यम बनाया। उन्होंने कहा कि सावित्रीबाई फुले केवल एक शिक्षिका नहीं, बल्कि सामाजिक क्रांति की अग्रदूत थीं। उनके द्वारा स्थापित बालिका विद्यालयों ने लाखों महिलाओं और वंचित वर्गों को आत्मसम्मान और आगे बढने की प्रेरणा दी। जिलाध्यक्ष रामचंद्र गुर्जर ने कहा कि आज आवश्यकता है कि हम सावित्रीबाई फुले के विचारों को आत्मसात करते हुए शिक्षा को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का संकल्प लें। कांग्रेस पार्टी सदैव सामाजिक न्याय, समान शिक्षा और महिलाओं के सशक्तिकरण के मूल्यों पर चलती रही है। सावित्रीबाई फुले के संघर्ष और त्याग से प्रेरणा लेकर समाज में समानता, भाईचारे और शिक्षा के प्रसार के लिए कार्य करें।

पैसे न करें ट्रांसफर, सतर्कता ही साइबर ठगी का हथियार: एसपी

- जांच एजेंसियों के नाम पर डिजिटल अरेस्ट कर ठगी कर रहे साइबर ठग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

एसपी उपासना

साइबर ठग विभिन्न प्रकार के हथकंडे अपना कर आमजन को साइबर ठगी का शिकार बनाते है। एसपी उपासना ने कहा कि पिछले कुछ समय से एक विशेष प्रकार के साइबर अपराधों की शिकायत देखने में आ रही है, जिसमें आम नागरिकों को किसी इंवेस्टीगेशन एजेंसी संस्था के वरिष्ठ अधिकारी के नाम से कॉल/व्हाट्सएप कॉल करके बड़े पैमाने पर ठगी की जा रही है। एसपी उपासना ने कहा कि पिछले कुछ समय से एक विशेष प्रकार का अपराध देखने में आ रहा है, जिसमें साइबर अपराधी कॉल अथवा व्हाट्सएप कॉल के माध्यम से आमजन से संपर्क करते हैं। संदिग्ध व्यक्ति कॉल करके आपको डराते हुए यह कहते हैं कि आपके पैन/आधार कार्ड का उपयोग करके पार्सल भेजा गया है, जिसमें नारकोटिक्स (नशीली) सामग्री है। जालसाज एनसीबी/ सीबीआई/ एनआईए आदि जांच एजेंसी के अधिकारी के नाम से बदल-बदल कर कभी कॉल, कभी व्हाट्सएप वीडियो कॉल करते हैं, और कहते हैं कि उन्होंने आपके नाम से एक पार्सल पकड़ा है, जिसमें नारकोटिक्स (नशीली) सामग्री है। जालसाजों द्वारा कभी आपको कोर्ट फीस देने या जमानत देने के नाम से अथवा आपका नाम केस से हटाने के नाम पर पैसे की मांग की जाती है। कभी-कभी वीडियो कॉल पर पुलिस अधिकारी से बात करने को भी कहते हैं। वीडियो कॉल पर रहते हुए आपको एक फर्जी नोटिस दे दिया जाता है, जिसमें आपको डिजिटल अरेस्ट करते हुए घर में ही रहने को कहा जाता है। और कहा जाता है कि आप स्वयं को किसी कमरे में बंद कर लें तथा उनके सभी सवालों के जवाब दें।

नागरिक अस्पताल के मुख्य गेट की पोर्च पर लगी शीट से टकराया वाहन, उखड़ी

जींद। टक्कर के बाद उखड़ी पोर्च की शीट।

जींद। जिला मुख्यालय स्थित नागरिक अस्पताल में 14.91 करोड़ की लागत से रेनोवेशन कार्य कर इसे सुंदर बनाया जा रहा है वहीं दो बार वाहन इसकी सुंदरता को ग्रहण लगा चुके हैं। शनिवार को एक वाहन मुख्य गेट की पोर्च पर लगी शीट से टकरा गया। इस कारण पोर्च पर लगी शीट उखड़ गई। ऐसा पहले भी हो चुका है। पहले जिस वाहन ने टक्कर मारी थी, उसका पता नहीं चला। इस बार पुलिस ने वाहन चालक की शिकायत पुलिस को दे दी है। कुछ लोगों का आरोप है कि पोर्च की हाइट बहुत कम होने के कारण ऊंचाई वाले वाहन इसमें टकरा जाते हैं। शीट लगाने से पहले कोई भी वाहन पोर्च से कभी नहीं टकराता था। नागरिक अस्पताल का लगभग 14.91 करोड़ रुपये से जीर्णोद्धार करवाया जा रहा है। जब से अस्पताल के जीर्णोद्धार का काम शुरू हुआ है तभी से इस पर सवालिया निशान उठाए जा रहे हैं। अब इसकी विजिलेंस जांच भी हो चुकी है। एडवोकेट सुनील कुमार ने विजिलेंस को दी अपनी शिकायत में कहा कि जब बिल्डिंग पूरी तरह से कंडम है तो फिर इस पर जो पैसे लगाए जा रहे हैंए वह व्यर्थ हैं। अब पोर्च पर जो शीट लगाई गई हैंए वह बहुत कम हाइट पर लगा दी गई हैं। ऐसे में ज्यादा ऊंचाई वाला बड़ा वाहन इसमें टकरा जाता है और शीट उखड़ जाती हैं।

ड्रॉपआउट सर्वे: स्कूल छोड़ चुके बच्चों के हाथों में फिर से होंगी किताबें

- राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ौदा के अध्यापक घर-घर पहुंचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। ड्राप आउट बच्चों को स्कूल लाने की तैयारी में जुटे अध्यापक।

हरियाणा शिक्षा विभाग द्वारा स्कूल छोड़ चुके बच्चों को पुनः शिक्षा की मुख्यधारा से जोडने के उद्देश्य से नई शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बड़ौदा के शिक्षकों द्वारा ड्रॉपआउट सर्वे अभियान के तहत क्षेत्र में घर-घर जाकर सर्वे किया गया। यह सर्वे विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र खरब के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। अंग्रेजी प्रवक्ता सीमा मलिक ने बताया कि शिक्षा विभाग का लक्ष्य शैक्षणिक सत्र 2026-27 तक 6 से 14 वर्ष के साथ-साथ 16 से 19 वर्ष आयु वर्ग के सभी विद्यालय से वंचित एवं ड्रॉपआउट बच्चों को शिक्षा से जोडना है। इसी उद्देश्य को लेकर शिक्षकों ने घर-घर जाकर बच्चों की पहचान की तथा अभिभावकों को पुनः नामांकन के लिए जागरूक किया। प्रधानाचार्य जितेंद्र खरब ने बताया कि यह सर्वे नई शिक्षा नीति 2020 के प्रावधानों के अंतर्गत किया जा रहा हैए जिसमें यह सुनिश्चित किया जा रहा है।

खंड स्तरीय ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता 7 को

- साइकिल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रतिभागी अपनी साइकिल ले कर आएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

राजौंद सीडीपीओ कंचन लता।

महिला एवं बाल विकास विभाग हरियाणा द्वारा 7 जनवरी को खंड स्तरीय ग्रामीण महिला खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी देते हुए महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी राजौंद कंचन बाला ने बताया की यह खेल प्रतियोगिता राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राजौंद में होगी। उन्होंने बताया कि खेलकूद प्रतियोगिता में 30 वर्ष से नीचे की महिलाओं के लिए 300 मीटर दौड़, 400 मीटर की दौड़ और 5 किलोमीटर की साइकिल दौड़ रखी गई है तथा 30 वर्ष से ऊपर की महिलाओं के लिए डिस्कस थ्रो, म्यूजिकल चेयर गेम और 100 मीटर की दौड़ शामिल है। उन्होंने कहा कि जो भी महिला इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहती है वह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय राजौंद में 7 जनवरी को खेलकूद के मैदान में सुबह 11 बजे तक उपस्थित होना सुनिश्चित करें । उन्होंने कहा कि साइकिल प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रतिभागी अपनी साइकिल ले कर आएं। सी डी पी ओ ने बताया की इससे महिला ससक्तिकरण को बढावा मिलेगा और महिलाओं में एक नई ऊर्जा का संचार होगा।

गोवंश की जान बचाने के लिए कृष्ण आश्रम के दंडी स्वामी बैठे अनशन पर

- जलेबी चौक पर गोवंश के लिए मांग रहे अस्थाई ठिकाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। जींद में जलेबी चौक के पास खुले आसमान के नीचे धरना देते हुए दंडी स्वामी। फोटो : हरिभूमि

नए बस अड्डे के निकट खुले आसमान के नीचे ठंड और शीत लहर में गोवंश की जान बचाने के लिए गोभक्त कृष्ण आश्रम के दंडी स्वामी अनशन पर बैठ गए हैं। वह नए बस अड्डे के पास जींद-सोनीपत ग्रीन फील्ड नेशनल हाईवे के पास बने जलेबी चौक के पास गोवंश के लिए अस्थाई ठिकाना मांग रहे हैं। यह जगह नहीं मिलने के विरोध में दंडी स्वामी ने शनिवार से आमरण अनशन शुरू कर दिया। बाईपास रोड पर नए बस अड्डे से कुछ आगे जींद-सोनीपत ग्रीन फील्ड नेशनल हाईवे का जलेबी चौक बना हुआ है। जलेबी चौक की लगभग एक एकड़ से भी ज्यादा जमीन पर अभी खाली पड़ी है। यहां सैंकड़ों की संख्या में गोवंश की जान खुले आसमान के नीचे हाड कंपा देने वाली ठंड और शीत लहर के कारण खतरे में है। कृष्ण आश्रम दंडी स्वामी इस गोवंश की जान बचाने के लिए एनएचएआई के अधिकारियों से लेकर हरियाणा के चीफ सेक्रेटरी तक का दरवाजा खटखटा चुके हैं। वह जलेबी चौक की खाली पड़ी जमीन पर अस्थाई ठिकाना मांग रहे हैं। यहां दंडी स्वामी ने दूसरे गोभक्तों की मदद से गोवंश के लिए अस्थाई शेड बनवाना शुरू कियाए तो एनएचएआई ने सिविल लाइन थाना में शिकायत कर दी। इसके बाद अस्थाई शेड का काम रुक गया।

नेट हाउस संरक्षित खेती प्रशिक्षण में 30 किसानों ने लिया भाग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नरवाना

नरवाना। भ्रमण पर प्रशिक्षणार्थी।

पंजाब नैशनल बैंक कृषक प्रशिक्षण केंद्र सच्चा खेड़ा द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नेट हाउस संरक्षित खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का शैक्षणिक भ्रमण के साथ सफलतापूर्वक समापन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए 30 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को नेट हाउस की उपयोगिताए स्थापना प्रक्रियाए लागत एवं अनुदान संबंधी जानकारीए फसल चयनए पौध रोपणए सिंचाई व्यवस्थाए तापमान व नमी प्रबंधनए कीट एवं रोग नियंत्रण तथा उत्पादों के विपणन से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण का उद्देश्य किसानों को आधुनिक एवं वैज्ञानिक खेती अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। केंद्र के निदेशक हितेश कालरा ने बताया कि कार्यक्रम के अंतिम दिन किसानों का दरवेश पातर प्रोग्रेसिव फार्मर गांव सुरेवालाए हिसार की सफल नेट हाउस इकाई का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गयाए जहा उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से संरक्षित खेती की उन्नत तकनीकों को देखा और समझा। भ्रमण के दौरान दरवेश द्वारा किसानों के प्रश्नों का समाधान किया गया तथा व्यावहारिक अनुभव साझा किए गए।

घर में घुसकर बुजुर्ग महिला व परिजनों को पीटा, केस दर्ज

कैथल। कैथल के गांव सींह में एक युवक ने घर में घुसकर एक बुजुर्ग महिला व उसके अन्य परिजनों को पीटा। आरोपी ने उनसे हाथापाई करते हुए थप्पड़ व मुक्के मारे और जान से मारने की धमकी दी। साथ ही उन्हें जाति सूचक शब्द भी कहे। इस संबंध में महिला के बेटे ने पुलिस को शिकायत दी है। पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। गांव सींह निवासी रामकला ने पुलिस को चीका थाना में दी शिकायत में बताया कि 30 दिसंबर को उनके गांव के ही संदीप के साथ किसी बात को लेकर उनकी कहासुनी हो गई थी। इसके बाद वे अपने-अपने घर चले गए। कल दोपहर के समय आरोपी संदीप उनके घर में घुस आया और उससे, उसकी माता व उसकी पत्नी से मारपीट की। आरोपी ने उन्हें जाति सूचक शब्द कहे। उन्होंने उसे घर से बाहर निकालने की कोशिश की, लेकिन आरोपी वहां से नहीं गया।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में एनएसएस शिविर का तीसरा दिन

विद्यार्थियों को दिलाई गई बुरी आदतों से दूर रहने की शपथ

छात्रों के चरित्र निर्माण के साथ-एक जिम्मेदार नागरिक बनाना रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। जागरूकता रैली को रवाना करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय में आयोजित सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) शिविर का तीसरा दिन सामाजिक जागरूकता, नैतिक मूल्यों और स्वास्थ्य शिक्षा को समर्पित रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों को बुरी आदतों से दूर रहने तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण के साथ-साथ उन्हें एक जिम्मेदार नागरिक बनाना रहा ताकि वे स्वयं के साथ-साथ समाज के लिए भी सकारात्मक भूमिका निभा सकें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉण सुरेश जैन ने शिरकत की। उन्होंने विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी और वर्तमान समय में बढ़ती मोबाइल निर्भरता से होने वाले दुष्प्रभावों पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज के समय में बच्चे और किशोर मोबाइल फोन के अत्यधिक प्रयोग के कारण कई प्रकार की शारीरिक और मानसिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। आंखों की रोशनी कमजोर होना, सिरदर्द, नींद की कमी, चिड़चिड़ापन और एकाग्रता में कमी जैसे दुष्परिणाम मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से सामने आ रहे हैं। अपने प्रेरक संबोधन में विद्यार्थियों से कहा कि वे न केवल स्वयं स्वस्थ रहेंए बल्कि अपने छोटे भाई व बहनों को भी सही मार्गदर्शन दें।

युवा समाज के लिए आदर्श प्रस्तुत करें

कार्यक्रम की अध्यक्षता एनएसएस अधिकारी सुरेंद्र कुमार ने की। अपने अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि एनएसएस शिविर केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नही बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का एक सशक्त माध्यम है। आज के कार्यक्रम में दिलाई गई शपथ विद्यार्थियों के जीवन में एक सकारात्मक मोड़ लाएगी और उन्हें गलत रास्तों से दूर रखेगी। आज के युग में जब युवा वर्ग तेजी से भटकाव की ओर जा रहा है, ऐसे में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने यह विश्वास व्यक्त किया कि मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय के विद्यार्थी एनएसएस के माध्यम से सीखी गई बातों को अपने जीवन में उतार कर समाज के लिए एक आदर्श प्रस्तुत करेंगे। एनएसएस शिविर का तीसरा दिन विद्यार्थियों के लिए अत्यंत प्रेरणादायक और शिक्षाप्रद रहा। जिसने उन्हें स्वस्थ, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में एक मजबूत संदेश दिया।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 4 जनवरी 2026

बीते गुरुवार ही नया वर्ष 2026 आरंभ हुआ है। हम सभी की इस बात को लेकर बहुत उत्सुकता है कि इस साल विभिन्न क्षेत्रों में क्या कुछ नया होने वाला है? हमारी लाइफस्टाइल में क्या बदलाव देखने को मिलेंगे? यहां विस्तार से बताया जा रहा है कि इस साल हमारे डेली रूटीन, वर्क कल्चर, डाइट हैबिट, हेल्थ अवेयरनेस और टेक्नोलाइफ में क्या नया होने वाला है?

कवर स्टोरी

संध्या सिंह

इस साल हमारी लाइफस्टाइल होगी हेल्दी-बैलेंस्ड-टेंशनफ्री

साल 2026 की लाइफस्टाइल में जीवन जीने के तरीके में गहरे बदलाव साफतौर पर देखने को मिलेंगे। ये बदलाव सिर्फ सतही फैशन या ट्रेंड के स्तर पर नहीं होंगे बल्कि हमारी सोच, प्राथमिकताओं और जीवन दर्शन के स्तर पर भी दिखेंगे। एक वाक्य में कहा जाए, तो साल 2026 तेज रफ्तार जीवनशैली का नहीं बल्कि संतुलित जीवनशैली का साल होने जा रहा है। आइए क्रमबद्ध ढंग से देखें कि ये बदलाव किस तरह के होंगे।

'ज्यादा' नहीं 'जरूरी' पर होगा फोकस

इस साल लोग ज्यादा चीजों और उपलब्धियों की तरफ न भागकर, जीवन में जरूरी यानी वास्तविक जरूरतों की तरफ फोकस करेंगे। व्यावहारिक तौर पर यह जीवनशैली हमें कम सामान, कम दिखावा और कम चीजों में खुश रहना सिखाएगी। हालांकि इसकी वजह सिर्फ सोच में परिवर्तन नहीं है। इस तरफ बढ़ने की और भी कई वजहें हैं। मसलन, बेतहाशा बढ़ती महंगाई का दबाव, जलवायु संकट, मानसिक थकान और अनिश्चित भविष्य। लब्बोलुआब यह कि इस साल मिनिमलिज्म को अधिकतर लोग अपनाएंगे। लेकिन ऐसा करना मजबूरी नहीं, हमारी समझदारी की वजह से भी होगी।

हेल्थ के प्रति बढ़ेगी अवेयरनेस

कई आंकड़े बताते हैं कि भारतीय लोग, दुनिया में सबसे ज्यादा दवाएं खाते हैं। एंटीबायोटिक दवाएं खाने को तो बहुत सामान्य माना जाने लगा है। दरअसल, हम में से अधिकतर लोग स्वास्थ्य के प्रति सजग नहीं बल्कि ज्यादा चिंतित रहते हैं। लेकिन इस साल हमारी इस सोच में भी बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल भारतीय अपने स्वास्थ्य के लिए दवा से ज्यादा दिनचर्या के बदलाव पर जोर देंगे। अच्छी नींद, तनाव से मुक्ति, बेहतर भोजन और भावनात्मक संतुलन पर इस साल हम भारतीय पिछले किसी साल के मुकाबले ज्यादा सहज और सजग रहेंगे, क्योंकि हमारी लाइफस्टाइल में जो तेजी और मारामारी बीते वर्षों में शामिल हुई है, उसके चलते 30 से 40 की उम्र में ही बड़े पैमाने पर भारतीयों में हेल्थ संबंधी समस्याएं देखने को मिल रही हैं। ज्यादातर समय चिंतित रहने के कारण आज 30 से 40 की उम्र में ही बहुत बड़े पैमाने पर भारतीय लोग लाइफस्टाइल डिजीज से पीड़ित हो रहे हैं। कोविड के बाद भारतीयों में बीमारी के प्रति डर और स्वास्थ्य के प्रति चेतना में बढ़ोत्तरी हुई है, जिसका परिणाम यह हुआ है कि अब लोग आयुर्वेद और वेलनेस की ओर आकर्षित हो रहे हैं। यानी पिछले वर्षों में लोगों में रेग्युलर हेल्थ चेकअप, कंसल्टेशन और डाइट कॉन्शसनेस बढ़ी है, उसमें इस साल और इजाफा होगा।

कामयाबी की बदलेगी परिभाषा

आज की तारीख में हम अच्छी नौकरी और ज्यादा से ज्यादा कमाई को अपनी सफलता का पैमाना मानते हैं। लेकिन इस साल हमारी यह सोच भी थोड़ी बदलेगी। इस साल हम कामयाबी यानी अच्छी नौकरी और ज्यादा पैसे के मुकाबले मानसिक शांति को ज्यादा महत्वपूर्ण समझेंगे। इस साल हम समय की कीमत को, कमाई से ज्यादा महत्व देने वाले हैं और फैशन या दिखावे की तुलना में स्वास्थ्य के प्रति सजगता बढ़ेगी। मतलब साफ है कि इस साल हम अर्थपूर्ण ढंग से काम करेंगे और इसकी वजह यह होगी कि एआई और ऑटोमेशन ने नौकरी की स्थिरता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। एआई के इस युग में किसी की भी नौकरी अचानक जा सकती है। युवा पीढ़ी ने पिछले कुछ सालों में महसूस किया है कि सब कुछ पाने के बाद भी एक खालीपन बना रहता है। इसलिए सब कुछ पाना अब कामयाबी की आखिरी परिभाषा नहीं होगी। जरूरत भर की इनकम में भी अपनों के साथ और प्रकृति के करीब जीवन गुजारने की दिशा में हम आगे बढ़ेंगे।

बदलेगा वर्क कल्चर

वर्क कल्चर की दिशा में इस साल सबसे ज्यादा बदलाव देखने को मिलेगा। अब हमारे रूटीन जीवन पर हमारा प्रोफेशनल वर्क हावी नहीं रहेगा। अब जीवन पर काम का इतना दबाव नहीं होगा कि सिर्फ काम ही काम जिंदगी की प्राथमिकता रहे। अब काम और जीवन में एक व्यापक और समानुपातिक बदलाव देखने को मिलेगा। इस साल जो ट्रेंड सबसे ज्यादा दिखने वाले हैं, उनका रिश्ता भी जीवन और काम से सीधे-सीधे जुड़ता है। मसलन, हाइब्रिड जॉब कल्चर। इस साल सबसे ज्यादा हाइब्रिड जॉब कल्चर के प्रति यंगस्टर्स का झुकाव देखने को मिलेगा। फ्रीलांस वर्क अब नए सिरे से प्रतिष्ठित हो रही गतिविधि है। पहले इसे लोग मजबूरी समझते थे लेकिन अब इसे अपने मन की मर्जी और और पसंद समझा जाने लगा है। इस साल अपनी इच्छा से करियर में ब्रेक को सामाजिक स्वीकृति मिलेगी। अब तक करियर ब्रेक को असफलता के रूप में दर्ज किया जाता था। और इस साल जो देश में लाइफस्टाइल के क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेंगे, वह सबसे ज्यादा जीवंत इस तथ्य से होगा कि अब हाई प्रोफेशनल पहचान वाले लोग सिर्फ मेट्रोज में ही नहीं बल्कि छोटे शहरों और दक्षिण भारत के तो गांवों में भी मिलेंगे।

टेक्नोलॉजी का बैलेंस्ड इस्तेमाल

हाल के सालों में टेक्नोलॉजी ने जिस तरह से हर खास और आम लोगों के जीवन में दखल बढ़ाया है, उसके कुछ साइड इफेक्ट्स भी दिखते रहे हैं। अच्छी बात है कि लोगों में इसके प्रति भी अवेयरनेस बढ़ी है। अब टेक्नोलॉजी से लोगों का एडिक्शन कम होना शुरू हो गया है। इस साल अनुमान है कि भारतीय लोग बीते कुछ सालों के मुकाबले कम फोन करेंगे और सोशल मीडिया पर भी कम से कम समय जाया होने देंगे। सोशल मीडिया से दूरी इस साल काफी ज्यादा बढ़ेगी और डिजिटल डिटॉक्स हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का सबसे जरूरी और सहज ढंग बन जाएगा। वास्तव में इस बदलाव का प्रमुख कारण होगा बड़े पैमाने पर भारतीयों में डिजिटल थकान बढ़ने लगी है और आपा-धापी में मन और तन दोनो की एकाग्रता में भारी कमी आई है। इसलिए इस साल बड़े पैमाने पर भारतीय लोग डिजिटल थकान से बचने पर ध्यान देंगे और रिश्तों में बढ़ रही दूरियों को कम करने की कोशिश करेंगे।

इसी तरह इस साल हमें अपने लाइफस्टाइल में रिश्तों की एक नई संस्कृति, खान-पान में स्वास्थ्य के प्रति चेतनता बढ़ी हुई दिखेगी। हर समय काम में डूबे रहने की जगह अपनी रुचि, अपने परिवार और हेल्थ के लिए भी समय निकालेंगे। निश्चित ही ये बदलाव हम सभी के जीवन में सकारात्मक दिशा में बढ़ने में मददगार साबित होंगे। *

साइंस-टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में इस वर्ष खुलेंगे नए आयाम

नया वर्ष 2026 भारत के लिए विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्रों में प्रगति और चुनौतियों के साथ परिवर्तनकारी संभावनाओं को लेकर आया है। इस साल साइंस और टेक्नोलॉजी में किस तरह के बदलाव दिखेंगे, क्या कुछ दिखेगा नया और अभूतपूर्व, आगामी दिनों की संभावनाओं पर एक नजर।

साइंस-टेक 2026

संजय श्रीवास्तव

नया साल भारत के विज्ञान, तकनीक, रक्षा, पर्यावरण और कृषि क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाओं को लेकर आया है। अगर सही नीति के तहत निश्चित कार्य योजना बनाकर आगे बढ़ा गया तो देश का 2030 तक 7 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और वैश्विक टॉप श्री सुपरपावर्स में शामिल होने का सपना जरूर पूरा होगा। बेशक, इस मार्ग में चुनौतियां कम नहीं हैं, पर हम इस वर्ष से सस्ते हरित ऊर्जा, तेज इंटरनेट, सुरक्षित साइबर स्पेस, रक्षा आत्मनिर्भरता से मजबूत होती सुरक्षा, पर्यावरण सुधार, शुद्ध पेयजल के साथ समृद्ध कृषि की आशा रख सकते हैं। सरकार, उद्योग और नागरिकों का समेकित प्रयास इस लक्ष्य का मार्ग प्रशस्त करेगा।

डीपटेक में होगी प्रगतिः इस साल डीपटेक सबसे बड़ी संभावना वाला क्षेत्र बनकर उभरेगा। अनुमान है कि आने वाले समय में एक लाख स्टार्टअप्स में से 20 प्रतिशत डीपटेक, खासकर क्वांटम, बायोटेक पर केंद्रित होंगे। इस क्षेत्र में निवेश 2025 के 50 बिलियन डॉलर से बढ़कर 70 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। सेमीकंडक्टर मैन्युफेक्चरिंग व डिजाइन में प्रोत्साहन योजनाओं, एआई मिशन और विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग के विस्तार से रणनीतिक स्वायत्तता और आर्थिक मजबूती मिलेगी। सेमीकंडक्टर डिजाइन में भारत की प्रतिभा वैश्विक कंपनियों को भा रही है, सो इस साल इस क्षेत्र में घरेलू स्टार्टअप्स के उभरने की पूरी संभावना है।

नए आसमान छुएगा इसरोः इसरो बीते सालों की तरह ही इस साल भी अपनी उपलब्धियों की वजह से खबरों में छाया रहेगा। स्वदेशी इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन प्रणाली के प्रदर्शन, इंडो-मॉरीशस संयुक्त उपग्रह और ध्रुव स्पेस का लीप-2 उपग्रह भेजने के साथ गगनयान परियोजना का पहले मानवरहित मिशन समेत तकरीबन दर्जन भर महत्वपूर्ण प्रक्षेपण उसकी कार्य सूची में हैं। इसकी कम लागत नवाचार, उपग्रह संचार और पृथ्वी-अवलोकन सेवाएं कृषि, आपदा प्रबंधन और लॉजिस्टिक्स में बड़े बदलाव लाएंगी। रडार सिस्टम, सैटेलाइट कम्युनिकेशन, प्रिसिजन इलेक्ट्रॉनिक्स और एडवांस मैपिंग तकनीक की दुनियाभर में मांग बढ़ रही है। इन सेक्टर में छोटे-छोटे स्मॉलकैप कंपनियों की बढ़ती भूमिका के तहत 2026 तक स्पेस टेक्नोलॉजी से कमाई की तस्वीर बदलेगी।

डिफेंस सेक्टर में होंगे मजबूतः डीआरडीओ और निजी उद्योग की भागीदारी रक्षा क्षेत्र में स्वदेशीकरण की गति को बढ़ाएगी तो स्वदेशी हथियार प्रणालियों, ड्रोन, एआई-डिफेंस और साइबर क्षमताओं में नई उपलब्धियां हासिल होंगी। हाइपरसोनिक हथियार, उन्नत लड़ाकू विमान, अग्नि-6 मिसाइल परीक्षण, सुखोई 30 को तेजस एमके-2 से बदलना और डीआरडीओ के एआई-संचालित ड्रोन सेल्फ अरमाडा परियोजना चर्चा में होंगे, तो आईडेक्स की फंडिंग से तकनीकी स्टार्टअप्स फलेंगे-फूलेंगे। इस बरस डीप ओशन मिशन के तहत विकसित मत्स्य 6000 पनडुब्बी, जो 6000 मीटर की गहराई तक, तीन वैज्ञानिकों को ले जाएगी। यह समुद्री संसाधन, खनिज खोज और वैज्ञानिक अनुसंधान तथा निगरानी के लिए अहम साबित होगी।

बढ़ेंगे 5जी यूजर्सः संसार के दूसरे सबसे बड़े दूरसंचार बाजार में 5जी उपभोक्ता इस वर्ष करीब 330 मिलियन हो जाएंगे। सैटेलाइट इंटरनेट से संचार क्षेत्र में आई क्रांति का एजुकेशन, टेलीमेडिसिन, ग्रामीण कनेक्टिविटी पर प्रभाव दिखेगा। 2026 में भारतनेट के विस्तार से जब गांवों में 100 एमबीपीएस स्पीड वाली कनेक्टिविटी 50 फीसदी तक पहुंचेगी, डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत 5 लाख डिजिटल साक्षरता केंद्र खुलेंगे। 6जी पर अनुसंधान भी तेज होगा, इसका असर 2026 में पायलट टेस्ट, पेटेंट और वैश्विक साझेदारियों के रूप में दिखेगा।

ग्रीन एनर्जी का बढ़ेगा यूजः इस साल ग्रीन एनर्जी की फील्ड में स्टार्टअप्स नई उम्मीदें जगाएंगे। ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के तहत 5 मिलियन टन उत्पादन लक्ष्य से ऊर्जा स्वायत्तता मिलेगी। लाइफ मिशन से वन कवर 33 प्रतिशत के करीब पहुंच सकता है। पर्यावरण में हरित हाइड्रोजन, ईवी बैटरी रीसाइक्लिंग और प्रदूषण-नियंत्रण तकनीक शहरों के लिए जीवनरेखा बन सकती हैं। सरकार ऊर्जा-कुशल चिप्स, सस्टेनेबल क्लाउड और एआई-संचालित जलवायु समाधानों में निवेश बढ़ाएगी। प्रदूषण नियंत्रण, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी और जल संरक्षण पर नई योजनाओं की उम्मीद है। पर्यावरण में कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग एक्सचेंज शुरू होगा और कृषि में 'रीइमेजिनिंग एग्रीकल्चर' रोडमैप। कृषि में एग्री-टेक, एआई डिजिटल ट्विन्स, ड्रोन स्प्रे, सेंसर, प्रिसिजन फार्मिंग, जलवायु-प्रतिरोधी बीजों से उत्पादकता 20 प्रतिशत बढ़ेगी तो किसानों की आय भी बढ़ेगी। *

दोहे

गोविंद भारद्वाज

मिलते पुष्पाहार

धन-दौलत के मोह से, दूर रहो सब यार।
शुद्ध भाव से नित करो, अपना सब व्यापार।।

गीता पढ़ना ज्ञान की, होगा जीवन पार।
फिर जीत मिलेगी सदा, दूर रहेगी हार।।

देश निकाला दीजिए, आए सीमा पार।
फूल नहीं वो देश के, बने हुए हैं खार।।

बात करो बस प्यार से, नेक रहे व्यवहार।
मेल मिलाप रहे सदा, जीवन का आधार।।

सत्य-अहिंसा से मिले, जीव-जगत को प्यार।
सन्मार्ग पर यदि चलें, सुखी रहे संसार।।

सत्य वचन पर हों अडिग, झुक जाएं हथियार।
तोप-तमंचे फेल फिर, मिलते पुष्पाहार।।

लघुकथाएं

पेट का स्वाभिमान

अपनी थाली देखकर रम्मू ने पत्नी रमिया से पूछा, 'रोटियां तो पांच ही हैं, तो तुम इतनी बड़ी थाली में क्यों परोसती हो?'

'थाली बड़ी नहीं है, रोटियां छोटी हो गई हैं। महंगाई बढ़ती जा रही है पर आमदनी नहीं। ऐसे में रोटी तो छोटी होती ही जाएगी।' रमिया ने मायूस होकर कहा।

'मेरे पास इस समस्या का एक हल है। कल से छोटी थाली में रोटी परोसना।' रम्मू ने सुझाव दिया।

'तुम्हें छोटी थाली में परोस तो दूंगी, लेकिन समस्या यह है कि हमारे पास दो ही थालियां हैं। तुम्हारी जूठी थाली में मैं खा लेती हूं। छोटू अपनी थाली में खाता है। वह तो इतनी छोटी है कि उसमें तुम्हारी ये रोटियां भी नहीं आ सकती हैं।' रमिया ने बताया।

'तो हमें सोचना पड़ेगा कि ऐसा क्या करें, जिससे हमारी रोटियां बड़ी हो सकें।'

रम्मू और रमिया लेटे-लेटे इस गंभीर समस्या पर विचार करते रहे। रात भर उनके दिमाग में रोटियां घूमती रहीं। सुबह-सुबह आंख लगी तो दोनों ने एक ही सपना देखा। कोई उन्हें बड़ी-बड़ी रोटियां दे रहा है, किंतु फेंक-फेंककर।

दोनों हड़बड़ाकर उठ बैठे। एक-दूसरे को अपने सपने के बारे में बताया। फिर दोनों ने एक राय से निश्चय किया। 'हम भीख किसी भी स्थिति में नहीं मांगेंगे। पेट का भी स्वाभिमान होता है। रोटियां बड़ी करनी हैं तो अब हम दोनों ज्यादा से ज्यादा मेहनत करेंगे।' *

-बालकृष्ण गुप्ता 'गुरु'

सच्ची साधना

काफी पुरानी बात है। किसी वन में स्थित एक आश्रम में एक गुरु अपने दो शिष्य मोहनदास और चैतन्यदास के साथ रहते और साधना करते थे। मोहनदास स्वभाव से अहंकारी था, इसलिए गुरुजी को हमेशा अपनी साधना को सच्ची बताया करता था। चैतन्यदास, मोहनदास की बातों पर ध्यान न देते हुए अपनी साधना में लीन रहता था।

एक दिन गुरुजी ने मोहनदास का अहंकार दूर करने की सोची। उन्होंने दोनों शिष्यों को बुलाकर कहा, 'जाओ घने जंगल में जाकर कुछ दिन एकांत में साधना करो। मैं स्वयं आकर देखूंगा कि किस शिष्य की साधना सच्ची है?'

दोनों शिष्य घने जंगल में पहुंचे। अत्यंत सर्द मौसम था। ठंड से बचने के लिए दोनों ने अलाव जलाया और उसके निकट ही बैठकर साधना करने लगे। कुछ ही देर में अचानक 'बचाओ..बचाओ..' की आवाज सुनाई पड़ी। यह सुनकर चैतन्यदास अलाव में से एक जलती लकड़ी लेकर आवाज आने की दिशा में दौड़ा। उसने देखा कि एक भालू किसी बुजुर्ग महिला पर हमला करने वाला है। चैतन्यदास ने जलती लकड़ी से भालू को भगाया और महिला का जीवन बचा लिया। उसने पूछा, 'मां आप इतनी ठंड में घने जंगल में क्या कर रही हैं?'

'बेटा, मैं कई वर्षों से इस जंगल से लकड़ी बीन कर अपने घर की रसोई में खाना बनाती हूं। आज न जाने यह भालू कहां से आ गया?' महिला ने बताया।

'मां, पहाड़ी पर बर्फबारी होने के कारण भालू नीचे जंगल में आ गया होगा। आगे आप संभलकर ही इस घने जंगल में आना। चलिए, आपको मैं घर तक छोड़ देता हूं।' चैतन्यदास बोला।

उधर गुरुजी साधना स्थल पर पहुंचे और पूछा, 'अरे! मोहनदास, चैतन्यदास कहां चला गया?'

'गुरुजी, मैं यहां हूं।' कहते हुए चैतन्यदास गुरुजी के पास पहुंचा। उसे देखकर मोहनदास बोला, 'अब तो आपको समझ में आ ही गया होगा कि चैतन्यदास तो साधना छोड़कर कहीं चला गया लेकिन मैं कहीं नहीं गया। इसलिए मेरी साधना ही सच्ची है।' गुरुजी ने चैतन्यदास से पूछा, 'तुम कहां गए थे?' चैतन्यदास ने पूरी घटना के बारे में बता दिया। इस पर मोहनदास ने पूछा, 'अब आप ही बताइए गुरुजी, किसकी साधना सच्ची है?'

गुरुजी ने कहा, 'सच्ची साधना वही होती है, जिसमें मानवता हो। तपस्या तो बाद में भी की जा सकती है, लेकिन किसी का जीवन बचाना ही सच्ची साधना है। इसलिए चैतन्यदास की साधना ही सच्ची साधना है।'

यह सुनकर मोहनदास का सिर शर्म से झुक गया। *

-चंद्रप्रकाश डाले

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

शताब्दी स्मरण : अमरकांत

कुछ समय पूर्व प्रसिद्ध साहित्यकार अमरकांत के जन्मशती के अवसर पर 'बनास जन' का 'शताब्दी स्मरण : अमरकांत' विशेषांक छपकर आया है। इसमें अमरकांत की बहुआयामी साहित्यिक छवियों पर विस्तार से चर्चा की गई है। इस समृद्ध अंक के अलग-अलग खंडों में उनके विभिन्न साहित्यिक पक्षों पर प्रकाश डाला गया है।

'स्मृतियों में अमरकांत' खंड में ममता कालिया, हरीश पांडे और मनोज कुमार पांडे ने उनसे जुड़ी स्मृतियों को मार्मिकता से संजोया है।

'लेखकों के लेखक' शीर्षक संस्मरणात्मक लेख में ममता कालिया ने कुछ प्रसंगों के जरिए अमरकांत जी के स्वाभिमानी रचनाकार की छवि को प्रकट किया है। प्रेमचंद के बारे में अप्रिय टिप्पणी करने पर अमरकांत जी, 'मनोरमा' के मालिक-संपादक आलोक मित्र से यह कहने से नहीं हिचके, 'प्रेमचंद सर्वहारा के पक्षधर रचनाकार थे। आप लोग भूख और गरीबी बेचते हैं। प्रेमचंद ऐसे विक्रेता नहीं थे।' जबकि उन दिनों वे उसी पत्रिका में संयुक्त संपादक के पद पर कार्य कर रहे थे।

'कुछ पते कुछ चिट्ठियां' खंड में अमरकांत जी द्वारा लिखे गए कुछ पत्रों को संकलित किया गया है। इन्हें पढ़ते हुए उनके भीतर मौजूद एक अत्यंत भावुक रचनाकार की छवि प्रकट होती है। यहां अमरकांत जी के सभी उपन्यासों और कथा संग्रहों पर कई समीक्षकों के विवेचनात्मक लेख भी पढ़े जा सकते हैं। इनसे गुजरते हुए अमरकांत जी की कथादृष्टि का विस्तार और मानवीय संवेदना की गहनता को महसूस किया जा सकता है। उनके कथा संग्रह 'कुहासा' पर उमाशंकर चौधरी की यह टिप्पणी देखी जा सकती है, जिसमें वह कहते हैं, 'अमरकांत के यहां पात्रों के संघर्ष का विश्वसनीय चित्रण है। वे अपने समय की समस्याओं को भी पकड़ते हैं और विडंबनाओं को भी।' कहने की जरूरत नहीं कि यह अंक पठनीय ही नहीं संग्रहणीय भी है। *

पत्रिका : बनास जन-82 (शताब्दी स्मरण : अमरकांत), संपादकः पल्लव, मूल्यः 200 रुपए

इंडोनेशिया

अगर आपको पर्यटन का शौक है और आप देश-विदेश के चुनिंदा लोकेशंस को एक्सप्लोर करना चाहते हैं, तो आपको अलग-अलग देशों में स्थित इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस की सैर जरूर करनी चाहिए। इन विश्व प्रसिद्ध टूरिस्ट डेस्टिनेशंस की खासियतों को खुद के अनुभव से लेखक साझा कर रहे हैं अपनी जुबानी।

टूरिज्म
समीर चौधरी

5 फैमिली के संग घूम आइए अमेजिंग टूरिस्ट डेस्टिनेशंस

अब तक मैं 125 से अधिक देशों की यात्रा कर चुका हूं और इस अनुभव से मेरा यकीन पुख्ता हुआ है कि दुनिया को समझने का सबसे विश्वसनीय रास्ता पर्यटन ही है। अपने तजुर्बे की रोशनी में मेरा सुझाव है कि अगर आप इस साल विदेश यात्रा की योजना बना रहे हैं तो इन पांच टूरिस्ट प्लेसेस को प्राथमिकता दे सकते हैं, क्योंकि इन स्थलों पर प्रकृति, संस्कृति और परिवर्तनीय अनुभवों को वास्तव में महसूस किया जा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका में क्रुगर नेशनल पार्क

मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट

फिजी

फिनिक्स पार्क डबलिन सिटी सेंटर

इंडोनेशिया मिलेंगे विविधरंगी अनुभवः इंडोनेशिया दुनिया के उन देशों में शामिल है, जिनमें आकर्षण व दिलचस्पी का हर रंग देखने को मिल जाता है। यहां बोर्नियो में ओरंगुटान को उनके प्राकृतिक स्थलों में देखने के बाद आपको वन्यजीव संरक्षण के वास्तविक महत्व का एहसास होगा। फ्लोर्स में सक्रिय ज्वालामुखी, परंपरागत गांव और अविश्वसनीय नीले सागर एक विशिष्ट सांस्कृतिक और प्राकृतिक यात्रा का अनुभव कराते हैं। पश्चिम में लोंबोक में आपको मिलेंगे रिंजानी जैसे ज्वालामुखी, शासक संस्कृति, सुंदर झरने और शांत समुद्री तट, जहां बाली की तरह पर्यटकों की भीड़ नहीं होगी और पास में ही गिल द्वीप (विशेषकर गिल एयर और गिल मेनो) में साफ-स्वच्छ जल, सी टर्टल और आरामदायक वातावरण का जन्नत है, जो दक्षिणपूर्व एशिया में अब लगभग लुप्त हो चुका है। इंडोनेशिया में आप विशेष रूप से तनजुंग पुटिंग, केलिमुतु, कोमोडो, रिंजानी, तिउ केलेप, सेंदांग गिले, गिल एयर और गिल मेनो को जरूर देखें। लोंबोक और गिल जाने के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर है, जबकि बोर्नियो और फ्लोर्स के लिए जून से सितंबर। आपको इंडोनेशिया इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि यहां आपको जीवित संस्कृति, ज्वालामुखी, स्वप्निल समुद्री तटों और संसार में कुछ सबसे विशेष अनुभवों का संगम देखने को मिलेगा।

दक्षिण अफ्रीका दिखेगा वाइल्डलाइफ का बेहतरीन नजाराः दक्षिण अफ्रीका में विश्व प्रसिद्ध क्रुगर नेशनल पार्क तो देखने के लिए है ही। इसके अलावा भी बहुत कुछ देखने के लिए वहां है। एक अलग मार्ग केपटाउन में आरंभ होता है और फिर स्टेल्लनबोश व फ्रांसचोक के अंगूरों के खेतों से होता हुआ समारा और ग्रेट कारु तक जाता है। फिर वहां से आप किंबर्ले के लिए फ्लाइट ले सकते हैं और कालाहारी जा सकते हैं। वहां शानदार सफारी का आनंद भी आप उठा सकते हैं। 'वर्किंग विद वाइल्डलाइफ' जैसे प्रोजेक्ट इस क्षेत्र में संचालित हैं, जो विभिन्न समुदायों और जीव प्रजातियों के संरक्षण में मदद करते हैं। दक्षिण अफ्रीका में पर्यटन के लिए सबसे अच्छा समय मई से सितंबर तक है और विशेष रूप से आपको समारा, कारु नेशनल पार्क, केप वाइनयार्ड्स और कालाहारी देखने चाहिए।

फिजी आकर्षक सांस्कृतिक विविधता का देशः अपनी मेहमाननवाजी, शुद्ध प्राकृतिक वातावरण और सांस्कृतिक विविधता के लिए मशहूर फिजी की यात्रा आपके लिए निश्चित तौर पर यादगार अनुभवों से भरी होगी। यहां के अंदरूनी गांवों में खासतौर से मिलने वाले कावा (एक विशेष प्रकार का पेय) का स्वाद और अनुभव फिजी आने वाले पर्यटक जरूर लेते हैं। कावा एक अनोखा पेय होने के साथ-साथ फिजी के समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक-सा बन गया है। फिजी की यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय मई से अक्टूबर तक माना जाता है। फिजी यात्रा के दौरान आपको यसावा, विती लेवु व मोनुरिकी अवश्य देखना चाहिए। फिजी आपको इसलिए भी जाना चाहिए क्योंकि इसके आकर्षक सी बीच, आपको यहां की अति सुंदर संस्कृति से जोड़ते हैं।

न्यूयॉर्क सिटी अमेजिंग सेंट्रल पार्क के लिए प्रसिद्धः अमेरिका के न्यूयॉर्क सिटी में स्थित सेंट्रल पार्क न सिर्फ दुनिया भर के सिटी पार्कों के लिए अच्छी मिसाल है बल्कि मेनहट्टन के बीच में स्थित यह स्थान अपने आपमें सेलेब्रिटी स्टेटस रखता है। पार्क का दक्षिणी हिस्सा न्यूयॉर्क सिटी और उसके रईस सबअर्ब की याद दिलाता है। उत्तरी हिस्सा अपने पहाड़ों, पेड़ों व बेंचों के कारण इस शहर के अतीत की याद दिलाता है। इस मास्टरपीस का आनंद लेने के लिए खुले मैदान में बैठें, झील के पास ब्रेक लें, स्ट्रॉबेरी खेतों के पास रुकें जो जॉन लेनन की याद में हैं या जाड़े में आइस स्केटिंग करें। जिन पर्यटकों को कला, प्रकृति और विज्ञान में दिलचस्पी है, वे मेट्रोपोलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट और अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री में जा सकते हैं, जो पार्क के बीच के हिस्से में ही स्थित हैं।

फिनिक्स पार्क शोर-शराबे से दूर नेचर के करीबः आयरलैंड के डबलिन सिटी सेंटर के निकट ही फिनिक्स पार्क स्थित है। लिफ्फेय नदी के साथ वाली सड़क पर डबलिन से पब्लिक ट्रांसपोर्ट द्वारा यहां तक पहुंचने में 20 मिनट लगते हैं। फिनिक्स पार्क आपको शोर-शराबे से बहुत दूर ले जाता है। इसकी झील के पास आपको सैकड़ों जंगली हिरण घूमते हुए मिल जाएंगे, जिनसे आपकी नजर नहीं हट सकेगी। यहां पापल क्रॉस, वेलिंगटन स्मारक और सेंट थॉमस हिल के ऊपर तारे के आकार का मैगजीन फोर्ट जैसे स्मारक भी दर्शनीय हैं। इनके अलावा एक्लेक्टिक फार्मलीग हाउस भी देखने योग्य है। *

नए साल में करिए खुद को ऐसे अपडेट

सेल्फ इंप्रूवमेंट
शिखर चंद जैन

नए साल का आगाज हो चुका है। आप जरूर सोच रहे होंगे कि इस नए साल में खुद को अपडेट करने के लिए क्या कुछ ऐसा करें, जिससे आपकी ओवरऑल पर्सनालिटी में निखार आए, आपके करियर को भी एक नया मुकाम हासिल हो। इसके लिए कुछ उपयोगी सलाह।

आपने देखा होगा कि समय-समय पर शोरूम, पत्र-पत्रिकाएं, बड़े ब्रांड्स आदि अपने कलेवर बदलते और दुरुस्त करते रहते हैं, खुद को रिन्यू करते रहते हैं। वास्तव में रीब्रांडिंग, रीन्यूअल और रेनोवेशन एक सतत प्रक्रिया है। एक व्यक्ति के रूप में भी खुद को अपडेट करते रहना चाहिए। इसकी शुरुआत अभी शुरू हुए नए साल से भी की जा सकती है।

नया माइंडसेट : हमारा दिमाग मांसपेशी की तरह होता है। इसे जितनी चुनौती, मशक्कत और वर्जिश देंगे, यह उतना ही मजबूत होगा। इसलिए इसे नयापन या स्ट्रेंथ देने के लिए ऐसी नई स्किल्स सीखें, जिससे दिमाग की कसरत होती हो। जैसे कोई नई भाषा सीखें, पब्लिक स्पीकिंग की प्रैक्टिस करें, कोडिंग या कोई नया आर्ट सीखें। रोज सुबह एक नोटबुक में लिखें कि बीते कल आपने क्या नया महसूस किया, देखा या सीखा? दिन में जब फुर्सत मिले, 5-10 मिनट का कोई ऐसा पॉडकास्ट देखें, जो किसी नए और दिलचस्प विषय पर आधारित हो।

नई बॉडी-स्ट्रेंथः आपका शरीर सतत क्रियाशील रहता है। जाहिर है, इससे ऊर्जा का क्षय होता है और शरीर में थकान व दुर्बलता भी आती है। इसलिए इसे समुचित ऊर्जा और पोषण रूपी ईंधन की जरूरत होती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी डाइट में बहुरंगी सब्जियां और फल शामिल करें, पौष्टिक अनाज, दूध, दही, दालें आदि अवश्य लें। एक्सरसाइज, वॉक, जॉगिंग, साइक्लिंग जैसी एक्टिविटीज को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं।

नई स्किलः ज्यों-ज्यों समय बीतता है आपका शरीर ही नहीं, आपका टैलेंट, नॉलेज और स्किल भी बहुत हद तक पुराना और आउटडेटेड होने लगता है। इसलिए जरूरी है कि आप इन्हें भी समय के साथ अपडेट करते रहें। आपको इस साल कुछ ऐसी स्किल सीखनी चाहिए, जो आपकी दिलचस्पी की हों और जरूरत की भी। आने वाले समय में ग्राफिक डिजाइनिंग, स्टॉक ट्रेडिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टूल्स, कॉपीराइटिंग जैसे स्किल्स आपके लिए बहुत उपयोगी हो सकते हैं।

नए संबंधः बदलते परिदृश्य, बदलते ट्रेंड और बदलते परिवेश के हिसाब से आपको अपने आस-पास के लोगों का दायरा भी अपडेट करना पड़ता है। आज की दुनिया में सोशल कनेक्शन बहुत जरूरी है। बड़ा सोशल नेटवर्क आपको फायदा पहुंचाएगा। आपको अपनी दिलचस्पी और जरूरत के मुताबिक नए लोगों से मेल बढ़ाना चाहिए, जो आपको मोटिवेट कर सके, व्यापारिक या प्रोफेशनल लाभ पहुंचा सकें और जिनसे आप कुछ नया सीख सकें।

सेल्फ अवेयरनेसः पर्सनालिटी डेवलपमेंट के प्रमुख घटकों में से एक है सेल्फ अवेयरनेस। सेल्फ अवेयरनेस के माध्यम से आप अपने मूल्यों, कमियों और खूबियों के बारे में अधिक जान सकते हैं, जिससे आपको अधिक सार्थक लक्ष्य बनाने और बेहतर निर्णय लेने में मदद मिलेगी। यह गुण आपको उन विशेषताओं को स्वीकार करने और पूरी तरह से समझने में सक्षम बनाता है, जो आपको विशिष्ट बनाती हैं। आत्म-जागरूकता (सेल्फ अवेयरनेस) दूसरों के साथ सरस और सार्थक रिश्ते बनाने की आपकी क्षमता को भी बेहतर बनाती है।

माइंडफुलनेस का अभ्यासः ध्यान देना यानी माइंडफुलनेस सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की महत्वपूर्ण नीति है। ध्यान देने का अर्थ है, अपने विचारों और भावनाओं के प्रति जागरूकता बनाए रखना और वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना। भावनात्मक नियंत्रण में सुधार, तनाव का स्तर कम होना और फोकस की अवधि बढ़ना जैसे कई फायदे आपको माइंडफुलनेस के अभ्यास से मिलते हैं।

उपयोगी आदतेंः हर व्यक्ति की पहचान उसकी अपनी आदतों की वजह से भी बनती है। आपको कुछ ऐसी आदतें सीखनी चाहिए जो आपकी हेल्थ, पर्सनालिटी और आर्थिक रूप से भी आपको इंप्रूव करती हों। जैसे- रोजाना पर्याप्त पानी पीना, रोज किसी किताब के कम से कम पांच पेज पढ़ना, रोज सुबह जाकर 5 से 5:30 के बीच जागकर ब्रीदिंग एक्सरसाइज, वॉक आदि करना। बाजारू खाना त्याग कर घर का ताजा भोजन करना। बिजनेस न्यूज चैनल देखना और बिजनेस पत्रिकाएं पढ़कर आर्थिक मोर्चे पर खुद को नियमित अपडेट करना। आर्थिक खबरों, नई सरकारी नीतियों से रूबरू रहना। *

विशेषः विश्व ब्रेल दिवस 4 जनवरी

जानकारी
अंजू जैन

दृष्टिबाधित लोगों के जीवन में लुई ब्रेल ने नई आशा का संचार ब्रेल लिपि के जरिए किया था। क्या है ब्रेल लिपि, इसका महत्व और उद्देश्य क्या है? आज 'विश्व ब्रेल दिवस' के अवसर पर हम आपको बता रहे हैं विस्तार से।

दृष्टिबाधितों के जीवन में ब्रेल लिपि से फैला उजाला

आपने क्या कभी सोचा है कि अगर हमारी आंखों के सामने अंधेरा हो, तो हम किताबें या अपनी पसंदीदा कहानियां कैसे पढ़ेंगे? हम रंगों को कैसे पहचानेंगे या गणित के सवाल कैसे हल करेंगे? दुनिया में लाखों ऐसे लोग हैं, जो देख नहीं सकते, लेकिन वे हमारी-आपकी तरह ही पढ़ते हैं, लिखते हैं और कंप्यूटर चलाते हैं। यह सब मुमकिन होता है 'ब्रेल लिपि' की सुविधा से।

लुई ब्रेल

क्यों मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः वर्ष 2019 से हर साल 4 जनवरी को विश्व ब्रेल दिवस मनाया जाता है। यह दिवस दृष्टिबाधित लोगों के लिए शिक्षा, संचार और सामाजिक समावेश के लिए ब्रेल लिपि (स्पर्शनीय लेखन प्रणाली) के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। इसी दिन ब्रेल लिपि के आविष्कारक लुई ब्रेल की जयंती होती है। लुई का जन्म 4 जनवरी 1809 को फ्रांस के एक छोटे से गांव में हुआ था। जब वे मात्र 3 साल के थे, तो अपने पिता की कार्यशाला में औजारों से खेलते समय उनकी आंखों में चोट लग गई और धीरे-धीरे उनकी दोनों आंखों की रोशनी चली गई। लुई पढ़ना चाहते थे, लेकिन उस समय नेत्रहीनों के लिए पढ़ाई बहुत मुश्किल थी। उन्होंने हार नहीं मानी और मात्र 15 साल की उम्र में एक ऐसी भाषा तैयार की, जिसे छूकर पढ़ा जा सकता था। उन्हीं के सम्मान में संयुक्त राष्ट्र ने 2019 से हर साल 4 जनवरी को आधिकारिक तौर पर 'विश्व ब्रेल दिवस' मनाने की शुरुआत की।

कुछ इस तरह मनाते हैं विश्व ब्रेल दिवसः इस अवसर पर स्कूलों, कॉलेजों और समुदायों में कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। जहां लोगों को ब्रेल लिपि के बारे में बताया जाता है। ब्रेल पढ़ने और लिखने की प्रतियोगिताएं होती हैं। दृष्टिबाधित लोगों और उनके परिवारों के साथ बातचीत की जाती है, ताकि उनकी समस्याओं को समझा जा सके।

क्या है ब्रेल लिपिः ब्रेल कोई भाषा नहीं, बल्कि एक 'कोड' या 'लिपि' है। इसे कागज पर उभरे हुए बिंदुओं के जरिए पढ़ा जाता है। इसमें कुल 6 बिंदु होते हैं। इन 6 बिंदुओं को अलग-अलग क्रम में सजाकर अक्षर, संख्याएं और संगीत के संकेत बनाए जाते हैं। नेत्रहीन बच्चे अपनी अंगुलियों के पोरों से इन उभरे हुए बिंदुओं को छूकर महसूस करते हैं और तेजी से पढ़ लेते हैं।

ब्रेल लिपि, दृष्टिहीनों को पढ़ने का मौका तो देती ही है, इससे उनके जीवन और उनके प्रति लोगों के नजरिए में भी व्यापक बदलाव देखने को मिलते हैं। वास्तव में संयुक्त राष्ट्र ने इस दिन यानी 'विश्व ब्रेल लिपि दिवस' की शुरुआत इसलिए की, ताकि यह याद दिलाया जा सके कि हर किसी को, चाहे वह देख सकता हो या नहीं, शिक्षा, सूचना और संचार का समान अधिकार है।

ज्ञान, स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरताः ब्रेल लिपि दृष्टिबाधित लोगों के लिए ज्ञान का सबसे महत्वपूर्ण दरवाजा है। इसके बिना उनके लिए किताबें पढ़ना, स्कूल जाना या कंप्यूटर इस्तेमाल करना बहुत मुश्किल होता। जबकि इसके माध्यम से वे पढ़-लिखकर शिक्षक, तकनीक विशेषज्ञ, कलाकार आदि जो चाहे बन सकते हैं और समाज में कंधे से कंधा मिलाकर चल सकते हैं। ऐसे अनेक दृष्टिबाधित सफल लोगों के उदाहरण हमें देखने-सुनने को मिलते रहते हैं।

आसान हुआ दैनिक जीवनः बैंक नोटों पर उभरे हुए प्रतीकों के रूप में ब्रेल लिपि का इस्तेमाल किया जाता है। दवाइयों के लेबल पर और सार्वजनिक स्थानों पर दिशा बताने वाले संकेतों पर भी ब्रेल लिपि उभरी होती है। आजकल रेलवे टिकट पर भी कई जगह ब्रेल लिपि दी जाती है। ब्रेल लिपि के इस तरह के इस्तेमाल से दृष्टिबाधित लोगों का जीवन बहुत हद तक आसान हुआ है। दृष्टिबाधित लोगों के लिए कुछ और भी उपकरण उपलब्ध हैं, जिनसे उनको पढ़ने में सुविधा होती है।

रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्लेः ये छोटे इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होते हैं, जिनमें पिनों की पंक्तियां होती हैं, जो ऊपर-नीचे होकर ब्रेल के बिंदु बनाती हैं। जब आप कंप्यूटर, फोन या टैबलेट से कनेक्ट करते हैं, तो यह डिजिटल टेक्स्ट को तुरंत ब्रेल में दिखाता है, और आप एक बटन दबाकर अगली लाइन पर जा सकते हैं।

ब्रेल ई-रीडरः ये विशेष उपकरण होते हैं जो सीधे डिजिटल ब्रेल किताबें (ऑनलाइन लाइब्रेरी से डाउनलोड की गई) पढ़ सकते हैं। इनमें नोट्स लेने, कैलकुलेटर और फाइल मैनेजर जैसे इन बिल्ट फीचर्स भी हो सकते हैं, जो इन्हें पोर्टेबल बनाते हैं।

ब्रेल नोट टेकरः ये छोटे पोर्टेबल डिवाइस होते हैं जिनमें ब्रेल की-बोर्ड और डिस्प्ले होता है। ये नोट्स लेने, कैलेंडर और ईमेल जैसी सुविधाओं के साथ आते हैं और वाई-फाई के जरिए क्लाउड से जुड़ सकते हैं। *

बहुत सुविधाजनक है डिजिटल ब्रेल

डिजिटल ब्रेल, दृष्टिबाधित लोगों के लिए ब्रेल लिपि को इलेक्ट्रॉनिक रूप में पढ़ने और लिखने का एक आधुनिक तरीका है। यह रिफ्रेशेबल ब्रेल डिस्प्ले और ब्रेल ई-रीडर जैसे उपकरणों के माध्यम से संभव होता है, जो डिजिटल टेक्स्ट (जैसे कंप्यूटर, स्मार्टफोन, टैबलेट से) को पिन की मदद से उभरे हुए ब्रेल अक्षरों में बदलते हैं। इस तरह वे ऑनलाइन जानकारी, किताबें और दस्तावेज आसानी से एक्सेस कर पाते हैं और इससे उन्हें शिक्षा और अपने काम में बहुत मदद मिलती है।

सिने ट्रेंड-2026
अशोक जोशी

हालांकि बीता साल बॉलीवुड के लिए बहुत अच्छा नहीं रहा। लेकिन इस साल कई ऐसी फिल्में रिलीज होने वाली हैं, जिनसे बड़ी उम्मीदें हैं। यह देखना रोचक होगा कि इस साल कौन-कौन सी फिल्में दर्शकों की उम्मीदों पर खरी उतरेंगी।

बॉलीवुड के लिए बहुत उम्मीदों भरा है यह साल

बॉलीवुड में हर साल बड़ी संख्या में फिल्में रिलीज होती हैं। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन के लिहाज से देखें तो रिलीज फिल्मों में से कुछ ही फिल्मों को बड़ी सफलता मिल पाती है। अब पिछले साल प्रदर्शित फिल्मों पर नजर दौड़ाएं तो 'सैयारा', 'छावा' और 'धुरंधर' जैसी कुछ फिल्में ही बॉक्स ऑफिस पर अपना दबदबा बनाने में कामयाब हो सकीं। पिछले साल रिलीज्ड और सक्सेसफुल फिल्मों के बीच बड़ा अंतर होने के बावजूद निर्माताओं को इस साल अपनी फिल्मों से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है।

रिलीज होंगी बिग स्टार्स की फिल्मेंः नए साल में बिग स्टार्स की कुछ धमाकेदार फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। सनी देओल, धर्मेंद्र दोनों अलग-अलग फिल्मों में नजर आएंगे। साथ ही प्रभास के साथ संजय दत्त भी नजर आने वाले हैं। वहीं दूसरी तरफ एक और जोड़ी है जिसकी फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और वो हैं थलापति विजय और बॉबी देओल।

साल की शुरुआत 'इक्कीस' सेः 'इक्कीस' फिल्म में धर्मेंद्र आखिरी बार नजर आए हैं। उनका बीते नवंबर निधन हो गया था। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा लीड रोल में हैं। साल के पहले ही दिन रिलीज हो चुकी इस फिल्म के प्रचार में धर्मेंद्र को हाईलाइट किया गया है। 'इक्कीस' में जयदीप अहलावत, सिकंदर खेर, विवान शाह भी नजर आ रहे हैं। फिल्म को डायरेक्ट किया है श्रीराम राघवन ने।

इन साउथ-सुपर स्टार्स की फिल्मों में होगा क्लैशः इसी सप्ताह शुक्रवार यानी 9 जनवरी को साउथ के दो बड़े सुपरस्टार्स की फिल्में रिलीज हो रही हैं। इस दिन जहां एक ओर 'बाहुबली' फेम प्रभास की 'राजा साब' रिलीज होने वाली है, जिसमें उनके साथ संजय दत्त, मालविका मोहनन, जरीना बहाव, बोमन ईरानी, निधि अग्रवाल, कियारा आडवाणी जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। दूसरी तरफ 9 जनवरी को ही साउथ के एक और सुपरस्टार थलापति विजय की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जन नायकन' रिलीज होगी। यह विजय के फिल्मी करियर की आखिरी फिल्म होगी। इसके बाद वह अपना पूरा समय राजनीति में देंगे। इस फिल्म में विजय के साथ बॉबी देओल और पूजा हेगड़े भी दिखेंगे।

आएंगे कई सुपरहिट फिल्मों के सीक्वलः किसी भी सुपरहिट फिल्म के सीक्वल को प्रायः सफलता की गारंटी माना जाता है। इस साल भी कई सफल फिल्मों के सीक्वल सिने प्रेमियों को देखने को मिलेंगे। जेपी दत्ता की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'बॉर्डर' का सीक्वल 'बॉर्डर 2' इसी महीने 23 जनवरी को रिलीज हो रहा है। फिल्म की मुख्य भूमिकाओं में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, अहान शेट्टी नजर आने वाले हैं। बीते दिनों सनी देओल की 'गदर 2' ने खूब कमाई की थी। कुछ ऐसी ही उम्मीद 'बॉर्डर 2' से भी की जा रही है। यह देखना दिलचस्प होगा कि अनुराग सिंह के निर्देशन में बनी 'बॉर्डर 2' की कहानी दर्शकों को थिएटर तक खींच पाती है या नहीं? आदित्य धर निर्देशित 'धुरंधर' का सीक्वल 'धुरंधर 2' 19 मार्च को बड़े पर्दे पर आएगी।

इसी साल सुपरहिट फिल्म 'एनिमल' का भी सीक्वल 'एनिमल पार्क' रिलीज होने जा रही है, जिसका दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। 'एनिमल' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाई गई कहानी को आगे बढ़ाते हुए 'एनिमल पार्क' में और भी ज्यादा थ्रिल और इमोशन दिखाए जाने की उम्मीद है।

इन फिल्मों से भी हैं बड़ी उम्मीदेंः इस साल रिलीज होने वाली संजय लीला भंसाली की फिल्म 'लव एंड वॉर' से भी काफी उम्मीदें हैं। फिल्म में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल लीड रोल में हैं। फिल्म 14 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

रणबीर कपूर, साई पल्लवी, सनी देओल और यश की मुख्य भूमिका वाली बिग बजट फिल्म 'रामायण' का भी इस साल दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहेगा। दो पार्ट में रिलीज होने वाली 'रामायण' का पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर रिलीज होने की उम्मीद है। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता, सनी देओल हनुमान जी और यश रावण की भूमिका में नजर आने वाले हैं।

आएंगी सलमान-शाहरुख की फिल्मेंः इस वर्ष लगभग तीन साल बाद शाहरुख खान अपनी अगली फिल्म 'किंग' के साथ बड़े पर्दे पर नजर आने वाले हैं। सिद्धार्थ आनंद निर्देशित 'किंग' में शाहरुख अपनी बेटी सुहाना के साथ पहली बार दिखेंगे। इसके अलावा सलमान खान की 'बैटल ऑफ गलवान' 2020 में भारत और चीन के बीच हुए गलवान घाटी संघर्ष पर आधारित फिल्म है। अपूर्व लाखिया द्वारा निर्देशित इस फिल्म को सलमान खान फिल्म्स बैनर तले प्रोड्यूस किया जा रहा है। फिल्म का टीजर रिलीज होने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह है। *